mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-223 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
14 अगस्त 2025 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

# दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

भारतीय ए महिला
@ पेज 7

## बिहार के भागलपुर में 100 घर गंगा में डूबे

### यूपी के फर्रुखाबाद में नाव से पहुंची बारात; 5 राज्यों में लैश लड का खतरा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश-बिहार में जमकर बारिश हो रही है। बिहार के 12 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां के भागलपुर में 100 से ज्यादा घर गंगा नदी में डूबे हैं। 3500 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। बुधवार को भी 14 जिलों में तेज बारिश हो रही है। उधर, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई जिलों में बारिश जारी है। मुरादाबाद में बाढ़ में कल बहे पुलिस सिपाही मोनू रामगंगा का शव 24 घंटे बाद बरामद हुआ। फर्रुखाबाद के 50 से ज्यादा गांवों में बाढ़ है। यहां के पंखियन की मड़ैया गांव में मुस्लिम परिवार में बेटी की शादी थी। ऐसे में दूल्हा करीब 50 लोगों के साथ नाव से गांव पहुंचा। तब जाकर निकाह हुआ। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़) की चेतावनी जारी की है। इन राज्यों में अगले 24 घंटे में 180mm तक बारिश की संभावना है।

उत्तराखंड में तेज बारिश जारी है। यहां के 11 जिलों में बाढ़-लैंडस्लाइड का खतरा है। 5 अगस्त को सैलाब में समाए धराली में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) की मदद से करीब तीन मीटर गहराई वाले 20 स्पॉट में इंसानी मौजूदगी तलाशी जा रही है। यहां 66 लोग लापता हैं। हिमाचल प्रदेश में इन मानसूनी सीजन बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 229 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां 395 सड़कें बंद हैं। केदारनाथ, बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब की यात्रा 14 अगस्त तक स्थगित है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी, रियासी और पुंछ जिलों में भारी बारिश के बाद सभी स्कूल बंद हैं। रियासी में सबसे ज्यादा 284mm बारिश दर्ज की गई। मध्य प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में अब तक 29.7 इंच बारिश हो चुकी है, जो कुल कोटे का 79% है।

**हिमाचल-उत्तराखंड, बिहार-बंगाल, सिक्किम में फ्लैश फ्लड का खतरा :** मौसम विभाग ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। इन राज्यों में अगले 24 घंटे में 180 mm तक बारिश की संभावना है।

## दिल्ली में 9 साल की 2 बच्चियों से गैंगरेप

स्विमिंग पूल में नहाने गई थीं, आरोपी ठेकेदार और केयरटेकर गिरफ्तार

**नई दिल्ली,एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में नरेला क्षेत्र के लामपुर इलाके में बन रहे एक स्विमिंग पूल में दो बच्चियों के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। दोनों बच्चियों की उम्र 9 साल का आसपास है। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में एक स्विमिंग पूल का ठेकेदार और दूसरा केयर टेकर है। पुलिस ने बताया कि स्विमिंग पूल ऑपरेशनल नहीं है। यहां फिलहाल काम चल रहा है। इसके चलते आसपास के बच्चे यहां नहाने आ जाया करते थे। बच्चियों को बंधक बनाकर किया गैंगरेप आउटर नॉर्थ DCP हरेश्वर स्वामी ने बताया कि बच्चियों से गैंगरेप की वारदात 7 अगस्त की दोपहर हुई। पूल के गेट खुला देखकर दोनों बच्चियां अंदर चली गई।

## केजरीवाल-सिसोदिया की शराब घोटाले में ईडी का केस रद्द कराने की मांग

**नई दिल्ली,एजेंसी।** दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ कथित शराब घोटाले से संबंधित एक याचिका पर मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई. दोनों नेताओं ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर मामले को रद्द करने की अपील की है. हालांकि, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद सुनवाई को तीन महीने के लिए स्थगित कर दिया ।

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) ने बुधवार को दिल्ली-NCR की सड़कों पर आवारा कुत्तों पर लगे प्रतिबंध पर फिर से विचार करने आश्वासन दिया। CJI बीआर गवई ने कहा कि वे इस मैटर को देखेंगे। CJI ने एक सीनियर एडवोकेट की याचिका पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की।

याचिकाकर्ता ने कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स (इंडिया) की उस याचिका को भी कोर्ट में रखा, जिसमें दावा किया गया है कि एनिमल बर्थ कंट्रोल (कुत्ते) रूल , 2001, जो आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को कम करने के लिए नियमित नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रमों को अनिवार्य बनाता है, का पालन नहीं किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को डॉग बाइट्स और रेबीज के मामलों को देखते हुए सभी आवारा कुत्तों को आवासीय क्षेत्रों से हटाकर शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। कोर्ट ने इस काम में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

कोर्ट ने कहा था- कोई व्यक्ति या संगठन बाधा बना तो अवमानना की कार्यवाही की जा सकती है। कोर्ट ने पशु एवं कुत्ते प्रेमियों को आड़े हाथों लेते हुए सवाल किया कि क्या वे रेबीज के शिकार बच्चों को वापस ला पाएंगे? बच्चों को किसी भी कीमत पर रेबीज नहीं होना चाहिए।

## सीजेआई गवई बोले-आवारा कुत्तों के मामले में दोबारा विचार करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- 8 हफ्तों में दिल्ली-एनसीआर के आवारा कुत्तों को शेल्टर होम भेजें

### सुप्रीम कोर्ट ने रेबीज से मौतों को डराने वाला बताया

सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को आवारा कुत्तों के हमलों के कारण रेबीज से होने वाली मौतों की घटनाओं पर खुद नोटिस लिया था। कोर्ट ने इसे बेहद चिंताजनक और डराने वाला बताया था। इससे पहले पशुपालन राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने 22 जुलाई को लोकसभा में बताया था कि 2024 में 37 लाख से ज्यादा डॉग बाइट्स के मामले आए। इसके अलावा 54 लोगों की मौत रेबीज से हुई। रिपोर्ट दिल्ली में छह साल की बच्ची छवि शर्मा की मौत से जुड़ी हुई है। उसे 30 जून को एक कुत्ते ने काट लिया था। इलाज के बावजूद 26 जुलाई को उसकी मौत हो गई।

### देश में 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते

70प्रतिशत को सालभर में टीके लगेंगे, तीन मंत्रालयों ने राज्यों को जारी की एडवायजरी

**नई दिल्ली,एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाकर शेल्टर होम ले जाने के आदेश के बाद छिड़ी बहस के बीच नई जानकारी समाने आई है। केंद्र सरकार ने आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ने और लावारिस पशुओं द्वारा आमजन को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं पर चिंता जताई है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने ऐसे पशुओं पर नियंत्रण के लिए मास्टर एक्शन प्लान बनाया है। तीनों मंत्रालयों ने सभी राज्यों को एक एडवाइजरी भेजी है। इसमें कहा गया है कि देश में 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते हैं।

## राजस्थान के दौसा में कंटेनर में घुसी पिकअप,11 की मौत

- 10 से ज्यादा घायल, सभी यूपी के रहने वाले, खाटूश्याम से लौट रहे थे

### राज्यपाल और मुयमंत्री ने जताया शोक

राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि पिकअप सड़क किनारे खड़े कंटेनर में घुस गई थी। जहां एक्सीडेंट हुआ वो ब्लैकस्पॉट है। ये एरिया सरकार के भी संज्ञान में है। ऐसे और भी एरिया राजस्थान में चिन्हित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दौसा हॉस्पिटल में फिलहाल 4 घायल हैं। इनमें 2 पुरुष व 2 महिलाएं हैं। फिलहाल उनका इलाज जारी है। वहीं, हादसे को लेकर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक व्यक्त किया है।

**दौसा,एजेंसी।** राजस्थान के दौसा में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप खड़े कंटेनर में घुस गई। एक्सीडेंट में 7 बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। सभी उत्तर प्रदेश के एटा और फिरोजाबाद के रहने वाले हैं। एक्सीडेंट बुधवार सुबह करीब 3.30 बजे नेशनल हाईवे-148 पर सैंथल थाना के बापी गांव में हुआ। एटा के जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिंह ने बताया कि असरौली (एटा) गांव से करीब 45 श्रद्धालु दो पिकअप में खाटूश्याम गए थे।

**4 मृतकों की पहचान नहीं, एक मौत जयपुर में :** शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिस पिकअप का एक्सीडेंट हुआ है उसमें 22 से ज्यादा श्रद्धालु थे। इनमें 10 की मौत दौसा में हुई है।

वहीं, एक गंभीर घायल ने जयपुर के SMS हॉस्पिटल में दम तोड़ा है। मृतकों में पूर्वी (3), प्रियंका (25), दक्ष (12), शीला (35), सीमा (25), अंशु (26) और सौरभ (35) हैं। 4 मृतकों की पहचान नहीं हुई है।

**गंभीर घायलों का जयपुर में इलाज :** हादसे के 4 घायलों को दौसा के जिला अस्पताल में, जबकि गंभीर घायलों को जयपुर के सवाई मान सिंह (SMS) अस्पताल में भर्ती किया गया है। SMS में भर्ती लोगों में लक्ष्य (5), नैतिक (6), रीता (30), नीलेश कुमारी (22), प्रियंका (19), सौरभ (28), मनोज (28) व एक अन्य है।

### कश्मीर के उरी में एक जवान शहीद

## सेना ने एलओसी पर आतंकी घुसपैठ की कोशिश नाकाम की; 13 दिन में तीसरी मुठभेड़

**कश्मीर, एजेंसी।** उत्तरी कश्मीर के उरी सेक्टर में रुष्ट के पास बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने आतंकियों की घुसपैठ को नाकाम कर दिया। ऑपरेशन के दौरान एक जवान शहीद हुआ है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया है। पिछले 13 दिनों में आतंकियों से सेना की यह तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 10 अगस्त को किश्तवाड़ के दुल इलाके में सेना को आतंकियों के छिपे होने की सूचना के बाद सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान आतंकियों ने सेना पर फायरिंग की थी। यहां भी सर्चिंग जारी है।

1 अगस्त से कुलगाम के अखल जंगलों में आतंकियों की तलाश में सर्चिंग चल रही है। यहां 2 जवान शहीद हुए हैं, 9 जवान घायल हैं। दो आतंकी भी मारे जा चुके हैं। सुरक्षाबलों ने 2 अगस्त की सुबह पुलवामा के आतंकी हारिस नजीर डार को मार गिराया था। वो ष्ट-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे।

**1 अगस्तः सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग की-** एक अधिकारी ने बताया था कि इलाके में आतंकी गतिविधि की गुप्त सूचना मिलने के बाद 1 अगस्त की शाम सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की थी।

### वोटर-लिस्ट में गड़बड़ी का विरोध, जयपुर में कांग्रेस का पैदल-मार्च

## गहलोत ने कहा- वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हो रही, इलेक्शन कमीशन जवाब नहीं दे रहा

**जयपुर,एजेंसी।** वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ी के विरोध में कांग्रेस की ओर से जयपुर में पैदल मार्च निकाला गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसका नेतृत्व किया। मार्च आज (बुधवार) दोपहर करीब 12 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से शुरू होकर शहीद स्मारक पर खत्म हुआ। यहां कार्यकर्ताओं ने वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा- वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हो रही है। इलेक्शन कमीशन जवाब नहीं दे रहा। यह इतिहास में पहली बार हो रहा है। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा- शक को दूर करने के लिए इलेक्शन कमीशन को कदम उठाना चाहिए। सरकार को आगे नहीं करना चाहिए। निर्वाचन आयोग खुद आगे आए और बताए कि कहां गड़बड़ी हुई है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा बोले- पीएम नरेंद्र मोदी ने वोट की चोरी से सत्ता हासिल की है। ये दोधारी तलवार चला रहे हैं। एक तरफ SIR के नाम से विपक्ष के वोट काटे जा रहे हैं, दूसरी तरफ बीजेपी के फर्जी वोटों को जुड़वाया जा रहा है।

### गुजरात के लोग बिहार में वोटर बन रहे,तेजस्वी का चुनाव आयोग पर आरोप, बोले- मुजफ्फरपुर की मेयर और भाजपा नेत्री के भी दो वोटर-आईडी

**पटना,एजेंसी।** नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, अब गुजरात के लोग बिहार के वोटर बन रहे हैं। गुजरात में बीजेपी के प्रभारी भीकूभाई दलसानिया अब वो पटना के वोटर बन गए है। तेजस्वी यादव ने ये भी दावा किया कि मुजफ्फरपुर की मेयर और बीजेपी नेत्री निर्मला देवी के एक ही विधानसभा में दो वोटर-ID हैं, जिनमें उम्र भी अलग-अलग दर्ज है। तेजस्वी के मुताबिक, एक में 48 साल और दूसरे में 45 साल। इतना ही नहीं, उनके दोनों देवर के भी अलग-अलग EPIC नंबर हैं। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया, ओरिजिनल मतदाता को चुनाव आयोग की ओर से मृत बता दिया जाता है, लेकिन बीजेपी के लोगों के दो-दो EPIC नंबर बन जाते हैं।

**तेजस्वी बोले- BJP के इशारे पर चुनाव आयोग वोट की डकैती कर रहा :** नेता प्रतिपक्ष ने कहा, SIR का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। कल जिन लोगों का नाम SIR की मृत लिस्ट में था, उन लोगों को जिंदा अदालत में पेश भी किया गया। यह एक गंभीर मामला है। लोग इसे वोट की चोरी कह रहे हैं, लेकिन भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग वोट की डकैती कर रहा है। जब खुलासा होने लगा है तो भाजपा की बोलती बंद है।

### पश्चिम बंगाल में 100 से अधिक मतदान केंद्रों से मतदाता सूचियों के रिकॉर्ड लापता

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। वर्ष 2002 में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई मतदाता सूचियों के रिकॉर्ड लगभग 100 से अधिक मतदान केंद्रों से गायब हो गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सूत्रों के अनुसार यह मामला चुनाव आयोग के संज्ञान में लाया जाएगा और आयोग से अनुमति मांगी जाएगी कि 2003 के प्रारूप मतदाता सूची को आधार बनाकर नए पुनरीक्षण की प्रक्रिया की जाए। सूत्रों ने बताया कि कई बूथों के 2002 के रिकॉर्ड पूरी तरह उपलब्ध नहीं हैं। कुछ सूचियां इस कदर क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं कि उन्हें आयोग के सर्वर पर अपलोड करना भी संभव नहीं है। जिन बूथों के रिकॉर्ड नहीं मिल रहे, उनमें अधिकांश दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना, हावड़ा और बीरभूम जिलों के हैं। ये जिले पारंपरिक रूप से तृणमूल कांग्रेस के गढ़ माने जाते हैं। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब चुनाव आयोग और राज्य सरकार के बीच चार चुनाव अधिकारियों के निलंबन को लेकर टकराव जारी है। आयोग ने दो विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता सूची में गड़बड़ी करने के आरोप में चार अधिकारियों को निलंबित किया था। लेकिन राज्य सरकार ने आयोग को सूचित कर दिया कि वह फिलहाल इस आदेश का पालन नहीं करेगी।

### नूंह में दंगाइयों के सामने बेबस नजर आई पुलिस

## पुलिसकर्मियों के सामने पथराव, 2023 के दंगों का कनेक्शन सामने आया; दूसरा पक्ष बोला-हमारे घर लूटे

**नूंह, एजेंसी।** हरियाणा के नूंह में मंगलवार को गाड़ी खड़ी करने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि पहले 2 युवकों ने टेंट व्यापारी पर बोतल से हमला किया, फिर मस्जिद से ऐलान करवाकर भीड़ जुटाई गई। भीड़ ने मकानों व दुकानों की छतों से पथराव किया, कांच की बोतलें फेंकीं और एक बाइक व दुकान में आग लगा दी। इसमें करीब 7 लोग घायल हुए। वहीं दूसरे पक्ष की एक महिला ने आरोप लगाया कि हमारे घर में लूट की गई। परिवार के 3 लोगों से मारपीट की। साथ ही मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगाने की कोशिश की। हंगामा बढ़ने पर राजस्थान बॉर्डर के थानों की पुलिस बुलाई गई, लेकिन भीड़ डेढ़ घंटे तक बेकाबू रही। इस दौरान पुलिस दंगाइयों के सामने बेबस नजर आई। सड़क पर जाम लग गया और आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। पुलिस ने हालात काबू करने के लिए 2 कंपनियां तैनात कीं। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने 2023 के नूंह दंगों की जातीय रंजिश में हमला किया।

**आरोपी रोड पर गाड़ी खड़ी कर शराब पी रहे थे :** मुंडाका गांव के समय सिंह सैनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मैं राजस्थान बॉर्डर के पास टेंट की दुकान चलाकर परिवार का गुजारा करता हूं। मेरे दादा की रस्म पगड़ी का कार्यक्रम था, जिसके लिए हम मंगलवार शाम करीब साढ़े 4 बजे ट्रैक्टर में टेंट का सामान लेकर गांव लौट रहे थे। मुंडाका गांव की सड़क पर हमें एक ट्रक रास्ता रोककर खड़ा मिला, जिसमें 2 युवक नस्सी और लुकमान शराब पी रहे थे। ट्रक हटाने के लिए कहने पर नस्सी भड़क गया और बोला कि रास्ता तुम्हारे बाप का नहीं है। इसके बाद उसने बीयर की बोतल से मेरे सिर पर हमला कर दिया।

# ठगी का नया तरीका- माई बॉस स्कैम, सीए और एकाउंटेंट निशाने पर; कई खातों में ट्रांसफर होती है रकम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** किसी कंपनी का मालिक अपने सीनियर कर्मचारी, सीए व एकाउटेंट को संदेश भेजता है कि उसे अचानक एक डील के लिए पैसे की जरूरत है। सीए या एकाउटेंट मालिक के संदेश को देखकर उसे मोटी रकम भेज देता है लेकिन जब वह मालिक से बात करता है तो पता लगा है कि मालिक ने ऐसा कोई संदेश ही नहीं भेजा। जालसाज ठगी कर चुका है।

ये कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि जालसाजों ने ठगी का नया तरीका ईजाद किया है। डिजिटल अरेस्ट व शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी के बाद अब माई बॉस स्कैम ठगी का नया तरीका है। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट में माई बॉस स्कैम के कई मामले दर्ज किए गए हैं।

इसी तरह के मामले में एक एफआईआर 142/25 दर्ज की गई है। एफआईआर के मुताबिक विज्ञापनों को रेटिंग देने वाली एक बड़ी कंपनी जिसका सालाना टर्नओवर 200 से 250 रुपये करोड़ है। कंपनी के सीए राजीव के पास निदेशक सूरज कुमार मलिक बनकर किसी का संदेश आया कि ये मेरा मोबाइल नंबर है, इसे सेव कर लो। सीए राजीव कुमार ने नंबर अपने मोबाइल में सेव कर लिया। अगले दिन राजीव के पास फिर उस कथित सूरज कुमार मलिक ने संदेश भेजकर राजीव से पूछा कि तुम कहां हो। सीए ने कहा कि वह ऑफिस जा रहा है। इसके बाद निदेशक मलिक ने सीए से कहा कि वह जल्द ही ऑफिस पहुंचे।

कुछ देर बाद राजीव के पास कथित निदेशक का फिर मैसेज आया कि वह एक बैठक में है और एक डील होने वाली है। उसे तुरंत 98 लाख से एक करोड़ रुपये की जरूरत है। सीए ने तुरंत 98 लाख रुपये सूरज मलिक को भेज दी। कुछ देर बाद सूरज मलिक ने दूसरी डील के लिए फिर दो करोड़ मांगे। इस पर सीए राजीव को कुछ संदेह हुआ और मालिक सीईओ बीके बजाज से बात की तो पता लगा कि उनके साथ ठगी की जा रही है। किसी ने उनके साथ निदेशक सूरज कुमार मलिक बनकर जालसाजी की।

**40 बैंक खातों में गई थी रकम :** आईएफएसओ के एक अधिकारी ने बताया कि आईएफएसओ ने जब इस मामले की जांच की तो पता लगा कि मोबाइल की आईपी एड्रेस कंबोडिया का था। ठगी के 98 लाख रुपये 40 बैंक खातों में गए थे। पुलिस एक खाते की जांच करते हुए नांगलोई पहुंची तो एक बैंक खाता फर्जी आईडी व पते पर नौकरानी का काम करने वाली महिला के नाम था। महिला के बैंक खाते में चार लाख रुपये गए थे। महिला को पाबंद किया गया। उसने बताया कि उसका बैंक खाता गाजियाबाद के अनिल ने खुलवाया था। पुलिस ने अनिल का पता किया तो पता लगा कि पंजाब पुलिस ठगी के मामले में उसे पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने एक असम के रहने वाले एक बैंक खाता धारक की पहचान कर चुकी है। इस मामले की जांच की जा रही है। जालसाजों ने माई बॉस स्कैम ठगी का नया तरीका ईजाद किया है। इस तरह के अभी ज्यादा केस तो नहीं है पर केस आने लगे हैं। आईएफएसओ में ठगी की बड़ी रकम के मामले दर्ज होते हैं।

## नीतू दाबोदिया गिरोह का बदमाश गिरफ्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने नीतू दाबोदिया गिरोह के बदमाश माजरा डबास निवासी देव व्रत उर्फ मोहला को गिरफ्तार किया है। आरोपी कंझावला थानाक्षेत्र में हुई गोलीबारी की घटना में वांछित था। आरोपी ने इलाके में सनसनी फैलाने के लिए गोलीबारी की थी। उसके पास से अत्याधुनिक 7.65 एमएम की पिस्तौल (इटली निर्मित) और एक कारतूस बरामद किया गया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि शाखा की एजीएस में तैनात इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार की टीम दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय अपराधियों और गैंगस्टरों की गिरफ्तारी के लिए लगातार काम कर रही है। माजरा डबास गांव में एक घर पर 30 और 31 जुलाई 2025 की मध्यरात्रि को गोलीबारी की सूचना मिली थी। आपसी विवाद के कारण फायरिंग की गई थी। प्रारंभिक पूछताछ में हमलावर की पहचान देव व्रत के रूप में हुई। यह भी पता चला कि उसके गैंगस्टर नीतू दाबोदिया गिरोह से पहले भी संबंध थे। एसीपी भगवती प्रसाद की निगरानी में इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार की टीम ने घेराबंदी कर आरोपी देव व्रत को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह नीतू दबोदिया गिरोह से जुड़ा है।

## रैपर बादशाह के क्लब के बाहर बम फेंकने के मामले में आरोपी गिरफ्तार, गैंगस्टर गोल्डी बरार से है कनेक्शन

**नई दिल्ली,एजेंसी** दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने चंडीगढ़ स्थित मशहूर रैपर और गायक बादशाह के नाइट क्लब के बाहर हुए बम धमाकों के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पंजाब के फरीदकोट के रहने वाले दीपक के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल आरोपी से पूछताछ कर रही है। दीपक को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दीपक गैंगस्टर गोल्डी बरार के लगातार संपर्क में था। बता दें कि गोल्डी बरार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। गोल्डी बरार, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित सेविले बार एंड लाउंज और डिओरा क्लब के बाहर बीते 26 नवंबर को बम धमाके हुए थे। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था, जिसमें आरोप क्लबों के बाहर बम फेंकर भागते दिख रहे थे। धमाकों के कारण क्लबों के शीशे भी टूट गए थे। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं थी।

## 'हर घर तिरंगा' अभियान एकता व राष्ट्रभक्ति को मजबूती दे रहा है : आशीष सूद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने आवास पर तिरंगा फहराया। उन्होंने सोशल मीडिशा एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह अभियान पूरे देश में एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूती दे रहा है। स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और त्याग से साकार हुआ भारत, अब 140 करोड़ देशवासियों के संकल्प और प्रतिबद्धता से और भी प्रगतिशील और सशक्त बन रहा है।

शिक्षा मंत्री ने सभी से इस अभियान में हिस्सा लेकर अपने घर पर तिरंगा फहराने और देशभक्ति का संदेश फैलाने का आग्रह किया।इससे पहले शिक्षा मंत्री ने जनकपुरी विधानसभा में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत के साथ शामिल हुए। देशभक्ति के रंग में रंगी इस यात्रा में धार्मिक संस्थाओं, मार्केट एसोसिएशन और हजारों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और जन-जन के बीच तिरंगे का संदेश गूंज उठा।

## आज भी छाए रहेंगे बादल, दिल्ली-एनसीआर में पूरे सप्ताह बरसेंगे बदरा, गर्मी और उमस से मिलेगी राहत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली एनसीआर में बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया है। मंगलवार सुबह भी अधिकतर इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। दिन भर धूप व बादलों की लुकाछिपी का खेल चलता रहा। इससे गर्मी और उमस का अहसास नहीं हुआ।

इस सप्ताह भी हल्की से मध्यम बारिश जारी होने की संभावना है। सफदरजंग केंद्र पर 11 अगस्त सुबह 8:30 बजे से 12 अगस्त सुबह 8:30 बजे तक 018.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि शाम 5:30 बजे तक 000.2 मिमी बारिश दर्ज हुई। दिल्ली में मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री कम 33.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री कम 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस कारण से मौसम सुहावना बना रहा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 13 अगस्त को भी बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाको में हल्की बारिश हो सकती है। 14 अगस्त से 16 अगस्त के बीच बारिश की तीव्रता थोड़ी बढ़ने की संभावना है। 17 से 21 अगस्त तक बारिश में थोड़ी कमी आएगी।

**संतोषजनक श्रेणी में पहुंची हवा :** राजधानी में सोमवार को हुई बारिश से दिल्लीवालों को प्रदूषित हवा से राहत मिली। ऐसे में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 94 दर्ज किया गया। यह हवा की संतोषजनक श्रेणी है। इसमें सोमवार की तुलना में 12 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि बुधवार को एक बार फिर से हवा मध्यम श्रेणी में पहुंचेगी, हालांकि शुक्रवार से हवाकी फिर से संतोषजनक श्रेणी में जाने की संभावना है। ऐसे में कुछ दिन के लिए लोगों को प्रदूषित हवा में सांस लेना पड़ सकता है। बुधवार को हवा पश्चिम दिशा से इसी गति से चल सकती है। वहीं, बृहस्पतिवार को हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से पांच से 10 किलोमीटर प्रति घंटे चलने का अनुमान है। इसके अलावा, शुक्रवार को उत्तर-पूर्व दिशा से 10 से 15 किलोमीटर की गति से चलने का अनुमान है। वहीं, सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 118 दर्ज किया गया, जोकि मध्यम श्रेणी है। वहीं, गुरुग्राम में सबसे कम एक्यूआई 66 दर्ज किया गया, जोकि संतोषजनक श्रेणी है। इसके अलावा गाजियाबाद में 96 और नोएडा में 92 सूचकांक दर्ज किया गया है।

## राजधानी में स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी पर ड्राई डे, आबकारी विभाग ने जारी किया आदेश

**दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली सरकार ने स्वतंत्रता दिवस और जनमाष्टमी के मौके पर राजधानी में ड्राई डे का एलान किया है। 15 और 16 अगस्त को सभी शराब दुकानें, बार, रेस्टोरेंट, होटल और क्लब बंद रहेंगे। एक्साइज विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। यह कदम राष्ट्रीय पर्व पर शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है। एक्साइज विभाग के आदेश के मुताबिक, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 16 अगस्त को जनमाष्टमी के कारण शराब की बिक्री, सर्विंग और स्टोरेज पर पूरी रोक रहेगी। यह पाबंदी सभी रिटेल शराब दुकानों, बार, रेस्टोरेंट, होटल और क्लबों पर लागू होगी। हालांकि, कुछ चुनिंदा होटल जो लाइसेंस प्राप्त हैं, वे अपने मेहमानों को कमरे में सर्व कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक जगहों पर नहीं। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें जुर्माना और लाइसेंस रद्द करने तक की सजा शामिल है।

## दक्षिण कोरिया की पूर्व प्रथम महिला किम कियोन ही गिरफ्तार, पति पहले से जेल में

**सियोल (दक्षिण कोरिया), एजेंसी।** देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम कियोन ही को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व प्रथम महिला किम कियोन ही को उनके खिलाफ लगे कई आरोपों से जुड़े सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका के चलते हिरासत में लेने का वारंट जारी किया। द कोरिया हेराल्ड अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सियोल कोर्ट ने आयातित कार डीलर डॉयच मोटर्स के शेयर मूल्य में हेरफेर, रिश्वतखोरी के एक मामले और 2022 के उपचुनाव में प्रभाव डालने के आरोप में किम की कथित संलिप्तता की जांच कर रही विशेष वकील टीम के अनुरोध पर गिरफ्तारी वारंट को मंजूरी दे दी। चीं। वह सुनवाई में शामिल हुई। उन्होंने कथित तौर पर अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों से इनकार किया। लगभग चार घंटे बाद सुनवाई समाप्त हुई। इसके बाद अदालत ने वकीलों की विशेष टीम और किम के कानूनी प्रतिनिधियों की दलीलों की समीक्षा की और नौ घंटे बाद किम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। विशेष वकील ने अपनी दलीलों के समर्थन में अदालत में 848 पन्नों की एक रिपोर्ट पेश की और कथित तौर पर किम को हिरासत में न लेने की स्थिति में सबूतों के नष्ट होने की आशंका पर चिंता जताई। किम के वकीलों ने दावा किया कि उनके खराब स्वास्थ्य के कारण हिरासत में रखना अनुचित होगा। बताया गया है कि दोपहर 2:35 बजे अदालत की सुनवाई समाप्त होते ही पूर्व प्रथम महिला बिना किसी सवाल का जवाब दिए बाहर निकल गई। उन्हें बाहर निकलते ही हिरासत में ले लिया गया। पुलिस उन्हें पश्चिमी सियोल के गुरो-गु स्थित सियोल दक्षिणी हिरासत केंद्र ले गई। अदालत के अदालत पर किम हिरासत में आने वाली पहली पूर्व प्रथम महिला बन गई। यह पहली बार है जब दक्षिण कोरिया में किसी पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को एक साथ हिरासत केंद्र रखा जाएगा। किम के पति पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को इस समय ग्योंगगी प्रांत के उइवांग स्थित सियोल हिरासत केंद्र में रखा गया है।

## बलूच लिबरेशन आर्मी को पहले भी घोषित किया जा चुका है आतंकी समूह, बाल-बांका नहीं बिगड़ा

**क्वेटा (बलूचिस्तान) पाकिस्तान, एजेंसी।** अमेरिका के बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी आत्मघाती शाखा मजीद ब्रिगेड को आतंकवादी सूची में शामिल करने पर बलूचिस्तान के मुद्दों पर केंद्रित ऑनलाइन समाचार आउटलेट द बलूचिस्तान पोस्ट ने बुधवार को विश्लेषकों के हवाले से खबर में लिखा कि इसका प्रभाव प्रतीकात्मक होने की संभावना है। साथ ही वाशिंगटन का यह कदम इस्लामाबाद के साथ मधुर होते संबंधों और नए व्यापार समझौतों के बीच आया है, लेकिन इससे समूह के आतंकवाद पर अंकुश लगाने में कोई खास मदद नहीं मिलेगी। बीएलए का वित्तपोषण और संचालन अमेरिकी प्रतिबंधों की पहुंच से बाहर के नेटवर्कों पर आधारित है। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बेशक अमेरिकी विदेश विभाग ने बलूच बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अपनी विदेशी आतंकवादी संगठनों (एफटीओ) की सूची में शामिल कर लिया है पर इससे कुछ खास फर्क नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थित अलगाववादी समूह बीएलए को पहले भी अमेरिका ने 2019 और ब्रिटेन ने 2006 में आतंकवादी संगठन घोषित किया था। खबर के अनुसार, इस्लामाबाद के लिए यह कदम एक कूटनीतिक जीत है। लेकिन व्यावहारिक रूप से विश्लेषकों का कहना है कि इससे बीएलए की संचालन क्षमता पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है। द बलूचिस्तान पोस्ट ने द नेटिव वॉयसेज की मूल रिपोर्ट के विवरण पर केंद्रित अपनी खबर में साफ किया है कि इस समूह का अस्तित्व दो मुख्य संसाधनों पर निर्भर करता है। वह है धन और जनशक्ति। इसका वित्तपोषण अमेरिकी या पश्चिमी स्रोतों, या औपचारिक बैंकिंग चैनलों पर नहीं, बल्कि अवैध गतिविधियों पर निर्भर करता है। बीएलए की पश्चिम में कोई प्रत्यक्ष राजनीतिक उपस्थिति नहीं है और इसके सदस्य अमेरिका या यूरोप की यात्रा नहीं करते हैं, जिससे यात्रा प्रतिबंधों या संपत्ति जब्त होने का प्रभाव सीमित हो जाता है। 2019 में इसी तरह की सूची में शामिल किए जाने से यह समूह संभावना नहीं है।

## कूद कर दी जान, लाजपत नगर की घटना, मौके से सुसाइड नोट मिला

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लाजपत नगर में मंगलवार दोपहर अधिवक्ता फागुन कालरा (33) ने चार मंजिला इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। लाजपत नगर में ही रहने वाले अधिवक्ता विवाहित थे। मूलरूप से वह चंडीगढ़ के रहने वाले थे।

पुलिस को उनकी जेब से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है जिसमें किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। शुरुआती जांच में पता लगा है कि अवसाद (डिप्रेशन) में होने की वजह से उन्होंने खुदकुशी जैसा कदम उठाया है।दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 1:20 बजे लाजपत नगर थाने में पीसीआर कॉल मिली कि कोई व्यक्ति छत से गिर गया है। लाजपत नगर थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पर फागुन कालरा सड़क पर खून से लथपथ हालत में मिले। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि चौथी मंजिल से कूदने से उनकी मौत पर ही मौत हो गई थी। उनकी पत्नी ने नोट में लिखावट को प्रारंभिक तौर पर पहचान लिया है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने जांच की और मामले में संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

## अतीत की गलती स्वीकारी: फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने माना, कैमरून की आजादी की लड़ाई में फ्रांस ने की दमनकारी हिंसा

**पेरिस, एजेंसी।** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पहली बार आधिकारिक तौर पर स्वीकारा है कि फ्रांस ने कैमरून की आजादी की लड़ाई में दमनकारी हिंसा की। मैक्रों ने एक पत्र में अपने देश द्वारा अतीत की गई गलती को स्वीकारा है और ये भी माना कि फ्रांस की दमनकारी हिंसा कैमरून की आजादी की लड़ाई के दौरान और उसके कुछ समय बाद तक भी जारी रही। मंगलवार को यह पत्र सार्वजनिक हुआ।

**फ्रांस ने कैमरून की आजादी की लड़ाई को दमनकारी हिंसा से कुचलने की कोशिश की :** फ्रांसीसी राष्ट्रपति का यह पत्र बीते महीने कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया को भेजा गया था। यह पत्र जनवरी में जारी हुई फ्रांसीसी-कैमरून आयोग के इतिहासकारों की रिपोर्ट के बाद सामने आया है। आयोग की रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि फ्रांस ने कैमरून में बड़े पैमाने पर विस्थापन किया और कैमरून के हजारों लोगों को गिरफ्तार करके कैंपों में रखा। साथ ही कैमरून की आजादी की लड़ाई को निर्मम उग्रवादियों की मदद से कुचलने की कोशिश की। हिंसा का यह दौर 1945 से 1971 तक चला। कैमरून को 1 जनवरी 1960 को फ्रांसीसी उपनिवेश से आजादी मिली थी।

**इतिहासकारों की रिपोर्ट का दिया हवाला :** साल 2022 में इमैनुएल मैक्रों ने कैमरून की राजधानी याउंडे का दौरा किया था। उसी दौरान मैक्रों ने फ्रांस और कैमरून के इतिहासकारों का संयुक्त आयोग बनाने का एलान किया था। इस आयोग ने कैमरून की आजादी में फ्रांस की भूमिका की जांच की। पत्र में कैमरून ने इतिहासकारों की रिपोर्ट का हवाला देकर लिखा कि रिपोर्ट के अंत में आयोग के इतिहासकारों ने साफ कहा है कि कैमरून में एक युद्ध हुआ, जिसमें फ्रांसीसी सेना ने कई तरह से देश के अलग-अलग हिस्सों में दमनकारी हिंसा की। कुछ मामलों में ऐसे उपाय किसी उग्रवादी समूह की छवि को भी मजबूत कर सकते हैं, जिससे वह संघर्ष में एक प्रमुख कारक बन सकता है।

**उपनिवेशों में फ्रांस की मौजूदगी पर बढ़ रहा विवाद :** मैक्रों ने कैमरून की आजादी की लड़ाई के नायकों रुबेन उम न्योबे, पॉल मोमो, इसाक न्योबे और जेरेमी नेलेनी की मौत में भी फ्रांस की भूमिका स्वीकार की। इन नेताओं की साल 1958 से 1960 के बीच फ्रांसीसी सैन्य अभियानों में मौत हुई। प्रथम विश्व युद्ध के अंत तक कैमरून एक जर्मन उपनिवेश था। युद्ध के बाद इस पर ब्रिटेन और फ्रांस का कब्जा हो गया और यह देश दो हिस्सों में बंट गया। फ्रांस द्वारा प्रशासित क्षेत्र को 1960 में आजादी मिली और इसके अगले वर्ष कैमरून को ब्रिटेन से भी आजादी मिल गई और दोनों देश एक संघ में शामिल हो गए। कैमरून की आजादी की लड़ाई 1950 में शुरू हुई, जब राष्ट्रवादी संगठन यूपीसी ने पूर्ण शुरू किया। उन्हें मार्शल लॉ के बाद मचे बवाल के बाद लंबी संवैधानिक और प्रक्रिया के बाद गिरफ्तार किया गया था।

## एलएचएमसी निदेशक को लिखा पत्र,

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) एवं संबद्ध अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल और वैकल्पिक सेवाओं से हटने के संबंध में एलएचएमसी निदेशक को एक पत्र लिखा है। पत्र में लिखा है कि आपको तत्काल सूचित किया जाता है कि कल देर रात एलएचएमसी के आकस्मिक चिकित्सा विभाग में एक दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर घटना घटी। हमारे सर्जरी रेजिडेंट के साथ उपद्रवियों/भीड़ के एक समूह ने मारपीट की, जिससे न केवल हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान, बल्कि अस्पताल परिसर की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई। रेजिडेंट डॉक्टर तत्काल प्रभाव से सभी वैकल्पिक सेवाओं से अपनी सेवाएँ वापस ले रहे हैं।

### तिरंगे के रंग में रंगा सीधी कृ बाइक रैली से गूंजा देशभक्ति का संदेश

# स्वतंत्रता दिवस पूर्व सीधी पुलिस द्वारा भव्य बाइक तिरंगा रैली का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार 13 अगस्त 2025 को सीधी पुलिस के द्वारा भव्य बाइक तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। यह रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देशभक्ति, एकता और उत्साह का जीवंत प्रतीक बनी।

रैली में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अंशुमन राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, एसडीएम नीलेश शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा, परिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षक सुजीत कड़वे, नवनियुक्त डीएसपी शुभम जैन, रक्षित निरीक्षक वीरेंद्र कुमरे, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल, थाना प्रभारी महिला थाना निरीक्षक रीता त्रिपाठी, निरीक्षक अरुणा द्विवेदी, थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी सहित सीधी पुलिस के अन्य अधिकारी एवं जवान सम्मिलित हुए।

रैली का शुभारंभ कलेक्ट्रेट से हुआ और यह अस्पताल तिराहा, गांधी चौक, लालता चौक, पुराना हनुमान मंदिर, जामा मस्जिद, सम्राट चौक, पुलिस अधीक्षक कार्यालय होते हुए पुनः कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। पूरे मार्ग में डीजे पर बजती देशभक्ति की धुनों, हवा में लहराते शानदार तिरंगों और नागरिकों के जोशीले नारों ने माहौल को पूरी तरह देशप्रेम के रंग में रंग दिया।

विशेष रूप से, जिले के सभी थाना एवं चौकियों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों में भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों, युवाओं और पुलिस बल ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इससे पूरे जिले में देशभक्ति की लहर और भी प्रबल हुई तथा स्वतंत्रता दिवस का उत्सव जन-जन तक पहुँचा।

इस आयोजन का उद्देश्य न केवल स्वतंत्रता दिवस का स्वागत करना था, बल्कि युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सामाजिक एकता की भावना को प्रबल करना भी था। सीधी पुलिस ने यह संदेश दिया कि देशभक्ति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्म और एकता के स्वरूप में प्रकट होती है।

## 5 लाख की रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्राली जब्त, चालक के पास नहीं मिले कागज

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** सरई थाना पुलिस ने अवैध रेत परिवहन के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार की रात करीब 9 बजे पुलिस ने रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया।

जब्त की गई रेत की कीमत 5 लाख रुपए से अधिक है। सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया के अनुसार, ग्राम घुमाडोल पुलिया के पास से एक ट्रैक्टर अवैध रूप से खनन की गई रेत ले जा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

**ट्रैक्टर मालिक पर केस दर्जः** चालक के पास रेत परिवहन से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा करवा दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वाहन को राजसात करने के लिए कलेक्टर को प्रतिवेदन भेजा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 15 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से रेत का खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। फिर भी रेत माफिया नदियों से खनन कर बाजार में रेत बेच रहे हैं।

## नशे में धुत्त युवक हाई टेंशन टावर पर चढ़ा

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** शहडोल और उमरिया जिले की सीमा पर स्थित डीडवरीया गांव में एक युवक हाई टेंशन टावर पर चढ़ गया। घटना बुधवार दोपहर की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक शराब के नशे में हाई टेंशन टावर पर चढ़ गया। राहगीरों ने इसकी सूचना गांव के सरपंच और पुलिस को दी।

**15 फीट की ऊंचाई पर बैठा था युवकः** युवक टावर पर लगभग 15 फीट की ऊंचाई पर बैठा था। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और अल्ट्राटेक कंपनी के कर्मचारियों ने युवक को समझाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा गया।

**लोग बोले- अक्सर नशे की हालत में घूमता रहता है युवकः** स्थानीय लोगों के मुताबिक, युवक को शराब पीने की लत है। वह अक्सर नशे की हालत में गांव के आसपास घूमता रहता है। घटनास्थल उमरिया जिले की सीमा में आने के कारण कोतवाली पुलिस ने मामले की जानकारी पाली थाने को दी। युवक को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया है। आगे की कार्रवाई पाली पुलिस करेगी।

## एनटीपीसी विंध्याचल में ठेका श्रमिक की मौत

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले के एनटीपीसी विंध्याचल पावर प्लांट में एक ठेका श्रमिक की मौत के बाद परिवार ने प्रदर्शन किया। मृतक शंभू साकेत माडा थाना क्षेत्र के रजमिलान गांव का रहने वाला था। शंभू पिछले 4 साल से प्लांट में ड्राइवर के रूप में कार्यरत था। वह सुबह 9 बजे ड्यूटी पर पहुंचा था। दोपहर 12:30 बजे परिजनों को सूचना मिली कि उसे करंट लग गया है। परिजनों का कहना है कि ट्रैक्टर चलाते समय करंट लगने की घटना संदिग्ध है। परिजन मृतक के परिवार को एक को नौकरी और 10 लाख रुपए मुआवजे की मांग कर रहे हैं। एसडीएम सृजन वर्मा ने बताया कि प्रशासन परिजनों से बातचीत कर रहा है। चूंकि मृतक ठेका श्रमिक था, इसलिए ठेका कंपनी से मुआवजे को लेकर चर्चा की जा रही है। घटना सुबह 9 से 10 बजे के बीच हुई। शाम 4 बजे तक परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए थे। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है।

## जमीन विवाद मामले में 2 महिलाओं से मारपीट

### 3 आरेपियों ने लाठी-डंडों से पीटा, टीआई पर 25 हजार मांगने के आरोप

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले केचुरहट थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक पुराने जमीन विवाद को लेकर दो महिलाओं पर लाठी-डंडों से बर्बरतापूर्वक हमला किया गया। यह घटना 12 अगस्त की सुबह 8 बजे की है। आरोप है कि सुशील त्रिपाठी, रामकुमार त्रिपाठी और ओमप्रकाश शुक्ला ने सरोज तिवारी और प्रिया तिवारी को पीटा। घटना का वीडियो बुधवार सुबह सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसमें महिलाएं और बेटियां पिटती नजर आ रही हैं। वीडियो में यह भी दिख रहा है कि हमले के दौरान जो लोग उन्हें बचाने आए, उन पर भी जानलेवा हमला किया गया।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि जिस जमीन को लेकर विवाद हुआ, उसका फैसला पहले ही एसडीएम कोर्ट से उनके पक्ष में हो चुका है। इसके बावजूद आरोपियों ने हमला किया और बाद में झूठी एफआईआर दर्ज करा दी। सरोज तिवारी ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी ने उनसे 25 हजार रुपए की मांग की थी। जब उन्होंने पैसे नहीं दिए, तो उनके खिलाफ ही मामला दर्ज कर दिया गया।

वीडियो में साफ दिख रहा है कि सुशील त्रिपाठी, रामकुमार त्रिपाठी और ओमप्रकाश शुक्ला ही मारपीट कर रहे हैं। वहीं, दूसरे पक्ष के लोग हाथ भी नहीं उठा रहे। पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए बचाव पक्ष के लोगों को ही आरोपी बना दिया।

**थाना प्रभारी बोले- वीडियो की जांच के बाद होगी कार्रवाईः** जब इस मामले में थाना प्रभारी दीपक सिंह बघेल से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से आवेदन मिलने पर मारपीट का केस दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, वीडियो मुझे बाद में दिखा है, जिसकी जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## सरस्वती स्कूल से निकाली गई तिरंगा यात्रा

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** मनगांव सरस्वती स्कूल से तिरंगा यात्रा निकाली गई क्षेत्र में हजारों लोगों के बीच हाथों में तिरंगा लेकर भारत मां के नारे लगाते हुए जहां पर लोगों में एक उत्साह देखने को मिला साथ में स्कूली बच्चों ने भी भारत मां के तिरंगे को लेकर भारत मां की नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे 5 किलोमीटर तक यह सफर तय किया गया जहां पर केडी शुक्ला नरेंद्र प्रजापति विधायक सुभाष मिश्रा गणेश सिंह अरविंद अरुणेंद्र गौरव जगजीवन तिवारी बोका गुरु शिवाकांत मिश्रा लव कुश पांडे कई लोग मौजूद रहे।

## आवारा मवेशियों की टक्कर से बाइक सवार घायल, सिर पर आए 6 टांके

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले में बुधवार सुबह 11 बजे आवारा मवेशियों की वजह से एक बाइक दुर्घटना हुई। ग्राम तितली निवासी सुनील साकेत बाइक से बहरी गांव जा रहे थे। मुख्य मार्ग पर दो आवारा मवेशियों की लड़ाई के दौरान एक मवेशी ने बाइक से टक्कर मार दी। इस टक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। स्थानीय लोगों ने घायल सुनील को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के सदस्य सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुनील के एक पैर में चोट आई है। उनके सिर पर छह टांके लगे हैं। चेहरे पर भी चोटें आई हैं। चिकित्सकों के अनुसार घायल की स्थिति स्थिर है।

ग्राम बहरी के प्रशांत जायसवाल ने बताया कि आसपास के क्षेत्रों में आवारा मवेशियों की संख्या बढ़ने से लोग परेशान हैं। ग्रामीणों ने

प्रशासन से कई बार शिकायत की है। लेकिन मवेशियों को सड़क से हटाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं हुई। बहरी तहसीलदार जेपी पांडे ने बताया कि 5-6 गांव के बीच एक गौशाला है। वहां आवारा मवेशियों को रखने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के गौशालाओं को पत्र लिखकर मवेशियों को वहां भेजने की कार्रवाई की जाएगी। इससे भविष्य में दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा।

## 450 रुपए में बिक रहा था यूरिया, कृषि विभाग और पुलिस ने सरई बाजार में पकड़ा ट्रक; 900 बोरी जब्त

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** सरई इलाके में बुधवार सुबह कृषि विभाग और पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से किसानों को महंगे दाम पर यूरिया खाद बेचते हुए पकड़ा। ट्रक में 900 बोरी यूरिया लोड थी, जिसे बरगमा रैक प्वाइंट से मां भगवती किसान बीज भंडार के गोदाम ले जाया जाना था। आरोप है कि सरकारी रेट 266 रुपए प्रति बोरी के बजाय किसानों से 450 रुपए प्रति बोरी के हिसाब से वसूली की जा रही थी।

सरई बाजार में बुधवार सुबह यह ट्रक पहुंचा और वहां से सीधे किसानों को यूरिया की बिक्री शुरू हो गई। स्थानीय लोगों को शक हुआ कि दाम ज्यादा वसूले जा रहे हैं। इसकी शिकायत कृषि विभाग और पुलिस को दी गई। शिकायत मिलते ही सहायक कृषि अधिकारी लवकुश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रक को जब्त कर लिया।

**बरगमा रैक प्वाइंट से लोड हुआ था यूरिया खादः** अधिकारियों ने बताया कि बरगमा रैक प्वाइंट से यूरिया की खेप मां भगवती किसान बीज भंडार के गोदाम में पहुंचनी थी। विक्रेता के पास खाद बेचने का लाइसेंस तो है, लेकिन नियम के मुताबिक ट्रक से सीधे बाजार में बिक्री नहीं की जा सकती। पहले खाद को गोदाम में स्टॉक करना जरूरी है, फिर लाइसेंसधारी दुकान से ही बिक्री की अनुमति होती है।

**बाजार में ट्रक से सीधे बिक्री नियमों के खिलाफः** सरकारी तय रेट के मुताबिक यूरिया की कीमत 266 रुपए प्रति बोरी है। इसके बावजूद किसानों से औसतन 450 रुपए प्रति बोरी के हिसाब से वसूली की जा रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि बीच बाजार में ट्रक से ही बिक्री नियमों के खिलाफ है। कृषि विभाग ने 900 बोरी यूरिया जब्त कर ली है और पूरी खेप की जांच की जा रही है।

## सिरमौर थाने से निकाली गई तिरंगा यात्रा

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** प्रदेश भर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान अन्तर्गत नगर परिषद सिरमौर तथा पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से तिरंगा रैली का आयोजन किया गया । तिरंगा रैली में नगर परिषद सिरमौर के पदाधिकारीगण के साथ-साथ एसडीओपी सिरमौर, थाना प्रभारी सिरमौर अपने स्टाफ के साथ व सिरमौर कस्बे के गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

## स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में प्रभारी मंत्री करेंगे ध्वजारोहण

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को जिला मुख्यालय में आयोजित मुख्य समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। प्रभारी मंत्री जायसवाल स्थानीय पुलिस परेड ग्राउण्ड में प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के सम्बन्ध में कलेक्टर कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रातः 8.58 बजे मुख्य अतिथि का आगमन तथा मुख्य अतिथि द्वारा प्रातः 09 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। तदुपरांत प्रातः 9.10 बजे परेड का निरीक्षण एवं मार्चपास्ट किया जायेगा तथा प्रातः 9.20 बजे मुख्य अतिथि परेड कमान्डर एवं प्लाटून कमान्डर का परिचय प्राप्त करेंगे। प्रातः 9.25 बजे मुख्यमंत्री जी द्वारा संदेश वाचन का लाइव प्रसारण तथा प्रातः 9.56 बजे मुख्य अतिथि द्वारा बधाई संदेश का वाचन किया जायेगा। प्रातः 10.15 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी। 10.35 बजे प्रतिभागियों तथा उत्कृष्ट कार्य हेतु शासकीय सेवकों को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

## मझौली में एक बगिया मां के नाम एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज के मार्गदर्शन में एक बगिया मां के नाम एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रज्ञा भवन मझौली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत मझौली की जनपद अध्यक्ष सुनैना सिंह, अध्यक्षता सरपंच संघ के अध्यक्ष तिलकराज सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य हाकिम सिंह, नीतू सिंह, उमा सिंह, अखिलेश जायसवाल, समाजसेवी आनंद सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मझौली धनंजय मिश्रा के द्वारा मां सरस्वती के प्रतिमा पर दीप प्रचलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एक बगिया मां के नाम महत्वपूर्ण योजना है। हितग्राही मूलक योजना पूर्ण रूपेण से मनरेगा पोषित योजना है। कार्यक्रम में जनपद सदस्य सभी पंचायत के सभी पंचायत के सरपंच उप सरपंच एवं रोजगार एवं सभी संकुल स्तरीय संगठनों के अध्यक्ष एवं ग्राम संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। संपूर्ण योजना के बारे में प्रशिक्षण अशोक कुमार माथुर एपीओ मनरेगा, चंद्रकांत सिंह आजीविका मिशन प्रबंधक मझौली के द्वारा प्रदाय किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से सभी सरपंचों ने अपनी पंचायत में पांच पांच राशियों के चयन करने की अपनी सहमति व्यक्त की एवं योजना के बारे में कहा कि एक पहले योजना है जिस पर संपूर्ण अधिकार हितग्राही का होगा, सारी व्यवस्था करके काम करेगा एवं अपनी खर्च की राशि पंचायत के माध्यम से प्राप्त करेगा।

# हिमाचल का गुंडा

संपादकीय

क्राइम की सूरत में हिमाचल की गली को खतरा है, तो शिमला पुलिस की छानबीन में अपराधी की गर्दन फंस जाती है। घात लगा कर बैठा एक शैतान, शिमला के मशहूर बिशप कॉटन स्कूल से तीन बच्चों को जिस योजना के तहत किडनैप करता है, वहां कई बालीवुड और रहस्य-रोमांच की कहानियां भी सन्न हो जाती हैं। एक वीभत्स चेहरा लिए कोटखाई, का पढ़ा लिखा व्यवसायी सुमित सूद गुंडा बन सकता है, तो यह चुनौती सामाजिक भी है। अब बच्चों को स्कूलों के परिवेश में भी बचाना पड़ेगा। अपराध के पीछे एक योजना प्रारूप सुमित ने बनाया तो उन अंधेरों को भी समझना होगा, जो असफलता के ही दौर में असाधारण विकल्प चुन लेते हैं। हिमाचल के लिए बीसीएस अपहरण घटना, हिमाचल की मनोवृत्ति में आ रहे बिखराव की एक कहानी की तरह है। अपहरण तो नादौन में भी हुआ, लेकिन वहां अपराध की शाखा में प्रवासी मजदूर बैठे थे। अपराध की शाखा में हिमाचल का प्रवेश अब स्थानीय रंगत में होने लगा है, तो आसान धन की रगों में चिट्टे की सिरिंज भी दिखाई दे रही है। अब प्रदेश में अपराध का तंत्र हैरान कर देने वाली स्थिति में है, तो कानून-व्यवस्था भी सामान्य स्वरूप में चौकस नहीं हो सकती। शिमला में अपहरणकर्ता की आंखों और मंतव्य से तेज निकली सीसीटीवी की फुटेज और एसएसपी संजीव गांधी का नेतृत्व और टीम। जाहिर है इससे यह तो स्पष्ट हो गया कि हिमाचल में पुलिस से आगे आपराधिक सोच नहीं निकल सकता, लेकिन विभाग में व्यवस्थागत सुधारों की जरूरत है। अब शिमला में जिला और शहर की पुलिस में प्रबंधकीय दृष्टि बदलनी पड़ेगी यानी शिमला को चाहिए पुलिस आयुक्त, जबकि बाकी जिला को कई एसपी मिलने चाहिएं। कांगड़ा में नूरपुर व देहरा में पुलिस जिला बना देने के बाद सरकार का अगला कदम क्या होगा, लेकिन पालमपुर में एसपी आफिस और धर्मशाला में पुलिस आयुक्तालय की आवश्यकता रहेगी। इसी तरह मंडी व सोलन में भी पुलिस कमिश्नर नियुक्त होने चाहिएं। हिमाचल में क्राइम सीन बदल रहा है। वाहन चलते फिरते अपराध की फिरौती बन रहे हैं, तो राज्य का पैट्रोलिंग सिस्टम चौबीस घंटे मुस्तैद होना चाहिए। हिमाचल में हिमाचली पढ़ा लिखा युवा अपराधी बनने लगा है, तो शिक्षा को नैतिकता के पाठ्यक्रम और रोजगार के उपक्रम में स्वावलंबन के पाठ पढ़ाने होंगे। आज अगर शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों की जेब में चिट्टे की पुडिय़ा मिल रही है, तो कल पेट के लिए कुछ और घिनौनी सूरत भी हो सकती है। आदतें बदलते प्रदेश ने दिखावे का मुकुट पहन लिया है। हिमाचल की सादगी तो अब 'धाम' में भी नहीं मिलती। बाजार में मिलते हैं लुटे पिटे लोग। डिग्रियों में मिलते हैं निराशावादी लोग व बेरोजगार। अहातों में बिकती शराब मुजरे करती है और वहां रोशनी में कहीं चुपके से जेब भरता है मेरा प्रदेश। ये जो आज का हिमाचल है उसे हर रात देखना ऊना की खड्डों में कितने टिप्पर हमारे चरित्र की अर्थी उठाते हैं।

हम अमीर होना चाहते हैं, लेकिन कुछ भी बेचकर। शराब, चिट्टा, अफीम, जमीन और जमीर बेचकर हमें पैसा चाहिए।

# इक नोबेल का सवाल है बाबा

**पीए सिद्धार्थ**

ट्रंप टैको, जिन्हें लोग प्यार से जगत चचा भी कहते हैं, पिछले कई दिनों से देश-दुनिया में घोषणा कर रहे हैं कि वह विश्व शांति के सबसे बड़े अलम्बरदार हैं। पहले उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच ट्रेड का हवाला देकर सीजफ़ायर करवाया और अब उन्होंने इज़रायल-ईरान के मध्य युद्धविराम करवा दिया है। लिहाज़ा उन्हें इस साल के नोबेल पुरस्कार से अलंकृत किया जाना चाहिए। हां, यह बात और है कि गज़ा में बीते दो सालों से इज़रायल द्वारा किये जा रहे निर्दोष और निहत्थे फिलस्तीनी नागरिकों के नरसंहार के मामले में वह गूंगे का गुड़ खाकर बिलकुल ख़ामोश हैं। इस मुद्दे पर चचा की ज़बान को लकवा मार गया है क्योंकि गज़ा से कोई ट्रेड नहीं किया सकता। अब भला गज़ा के पास है भी क्या जो कोई उससे ट्रेड करने की सोचे। उसके भूखे-नंगे लोगों के पास न तो ज़मीनें हैं कि चचा भारत में किये जा रहे रियल स्टेट बिजनेस की तरह गज़ा में अपना धंधा चमका सकें और न ही वहां पाकिस्तान की तरह क्रिप्टो करैंसी का मामला जम सकता है, जिसमें उनका परिवार शामिल हो सके। फिर ऐसे भूखे-नंगे लोगों की जान की क़ीमत क्या हो सकती है। ऐसे लोगों को हवाई हमलों में या सामने से बंदूकों से मार देने में ही मानवता की भलाई है। भला यह भी कोई बात हुई कि आठ साल का फिलस्तीनी बच्चा अपनी भूख मिटाने के लिए रेत खाने का वीडियो पोस्ट करे या भूख से तड़पते लोगों की तस्वीरें और वीडियो दुनिया के सामने आएं। कोई पत्रकार उनकी इस सुखद जीवन यात्रा पर रिपोर्ट करे, कोई साहित्यकार उन पर कविता, कहानी या उपन्यास लिख मारे या कोई सिरफिरा फिल्मकार उन पर कोई फिल्म बना दे। यह हक भी चचा ट्रंप, शांतिदूत नेतान्याहू और दुनिया भर में आंतकवाद की जड़ में मट्ठा डालने का संकल्प ले चुके फील्ड मार्शल असीम मुनीर का ही हो सकता है। ट्रंप और मुनीर चाहें तो लंच करते हुए अपना वीडियो पोस्ट कर सकते हैं या फिर नेतान्याहू इज़रायल द्वारा गज़ा में किये जा रहे नरसंहार तथा ईरान पर किये जा रहे हवाई हमलों के मद्देनज़र अपने बेटे की शादी कैंसिल करने की सूचना का वीडियो सोशल मीडिया पर डाल सकते हैं।

उनकी इस क़ुरबानी पर कोई इज़रायली या अमरीकी फिल्मकार फिल्म भी बना सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ चाहे तो वह विश्व में आतंकवाद ख़तम करने के लिए पाकिस्तान को उपाध्यक्ष बनाए जाने का वीडियो पोस्ट कर सकता है। आख़िकार वैश्विक शांति के लिए किये जा रहे इन तमाम गंभीर प्रयासों का पता देश-दुनिया को लगना ही चाहिए। हो सकता है कि अब आप ऐतराज़ करें कि अमरीका ने ईरान पर दुनिया के सबसे बड़े बम्ब क्यों गिराए। तो जनाब! बाज़ मर्तबा दो देशों में चल रही लड़ाई को समाप्त करने और शांति लाने के लिए अपने दुश्मन देश पर बम गिराना ज़रूरी हो जाता है। इसलिए अमरीका को ईरान की तीन न्यूक्लियर साईट्स पर इतने भारी-भरकम बम गिराने पड़े ताकि मध्य एशिया में शांति का तम्बू गाड़ा जा सके। यूं भी भारत के गोदी मीडिया के एंकर ट्रंप को पूरी दुनिया का फूफा बताते हैं। ऐसे में ट्रंप को पूरा हक़ है कि वह अपने लिए नोबेल पुरस्कार की मांग करे। हां, मुझे इस बात पर अवश्य संदेह है कि ट्रंप ओबामा की तरह नोबेल पुरस्कार लेते हुए शर्माएंगे या नहीं। बल्कि इस बात की पूरी संभावना है कि शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद ट्रंप दुनिया के सभी देशों पर सौ फ़ीसदी टैरिफ लगा दें। मुझे यक़ीन है कि मोदी द्वारा नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रंप के नाम की अनुशंसा न किये जाने के कारण ही ट्रंप ने भारत पर टैरिफ थोप दिया। नहीं तो शोले के जय-वीरू की तरह मोदी और ट्रंप की दोस्ती विश्व विख्यात है। कोई भी न ट्रंप की शराफत पर संदेह कर सकता है और मोदी की नीयत पर। अगर मोदी की नीयत में कोई खोट होता है तो वह अमरीकी चुनाव के दौरान ट्रंप के लिए वोट क्यों मांगते? हां, ट्रंप के चरित्र पर एपस्टीन फाईल की वजह से संदेह किया जा सकता है।

**ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी का सीधा असर भारत के उन सेक्टरों पर पड़ेगा जो अमेरिका को बड़े पैमाने पर माल भेजते हैं, जैसे कपड़ा, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, फार्मा और आईटी सर्विस। लेकिन कहानी का दूसरा पहलू भी है, और यही पहलू भारत के लिए 'मौन जवाब' का हथियार बन सकता है। ट्रंप चाहे भारत को ÷डेड इकोनॉमी÷ कहें, मगर यही अर्थव्यवस्था दर्जनों अमेरिकी कंपनियों के लिए सोने की खान है। भारत में इन कंपनियों की गहरी पैठ है। इतनी गहरी कि उनके उत्पाद और सेवाएं भारतीय उपभोक्ता के रोज़मर्रा के जीवन में घुल-मिल गए हैं। इनसे होने वाला मुनाफा सीधा अमेरिका के खजाने में जाता है। यदि भारत चाहे, तो वह इन कंपनियों पर टैरिफ, टैक्सेशन, या नियामकीय शर्तों के जरिए दबाव डाल सकता है।**

# ट्रंप का टैरिफ वार और भारत का मौन हथियार

**डॉ. मयंक चतुर्वेदी**

अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को आज के दौर में यदि किसी एक शब्द में बयान करना हो तो उसे ÷रणनीतिक सहजीवन÷ कहा जा सकता है। व्यापार, तकनीक, रक्षा और कूटनीति–हर क्षेत्र में दोनों देशों के हित आपस में गहरे जुड़े हैं। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के वर्षों में इस सहजीवन में टैरिफ का एक कांटा चुभो दिया है। कभी भारत को ÷टैरिफ किंग÷ और कभी ÷डेड इकोनॉमी÷ कहने वाले ट्रंप अब भारत से आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं, जिसमें से 25 प्रतिशत पेनल्टी के रूप में जोड़ा गया है। इसके पीछे उनका तर्क है कि भारत रूस से तेल और हथियार क्यों खरीदता है, और क्यों अमेरिकी उत्पादों को भारत में बराबरी का मौका नहीं मिलता।

यहां यह समझना जरूरी है कि आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका और भारत का रिश्ता कैसा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत-अमेरिका के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 131.84 बिलियन डॉलर तक पहुंचा। इस दौरान भारत ने अमेरिका को 86.51 बिलियन डॉलर का निर्यात किया, जिसमें फार्मास्यूटिकल्स, रत्न-आभूषण और टेक्नोलॉजी सर्वाधिक रहे। वहीं अमेरिका से भारत में 45.33 बिलियन डॉलर का आयात हुआ, जिसमें कच्चा तेल, कोयला और विमान के पुर्जे शामिल हैं। अमेरिका लगातार कई वर्षों से भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारतीय निर्यातकों के लिए सबसे बड़ा बाज़ार भी।

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी का सीधा असर भारत के उन सेक्टरों पर पड़ेगा जो अमेरिका को बड़े पैमाने पर माल भेजते हैं, जैसे कपड़ा, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, फार्मा और आईटी सर्विस। लेकिन कहानी का दूसरा पहलू भी है, और यही पहलू भारत के लिए 'मौन जवाब' का हथियार बन सकता है। ट्रंप चाहे भारत को ÷डेड इकोनॉमी÷ कहें, मगर यही अर्थव्यवस्था दर्जनों अमेरिकी कंपनियों के लिए सोने की खान है। भारत में इन कंपनियों की गहरी पैठ है। इतनी गहरी कि उनके उत्पाद और सेवाएं भारतीय उपभोक्ता के रोज़मर्रा के जीवन में घुल-मिल गए हैं। इनसे होने वाला मुनाफा सीधा अमेरिका के खजाने में जाता है। यदि भारत चाहे, तो वह इन कंपनियों पर टैरिफ, टैक्सेशन, या नियामकीय शर्तों के जरिए दबाव डाल सकता है। अमेरिकी कंपनियों का भारत में कारोबार अरबों डॉलर में है और इन पर कोई भी चोट सीधे अमेरिकी शेयर बाजार, रोजगार और मुनाफे को प्रभावित करेगी।

भारत में अमेरिकी कंपनियों की मौजूदगी हर क्षेत्र में फैली हुई है। ई-कॉमर्स में अमेज़न इंडिया, टेक्नोलॉजी में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और एपल। फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) में कोका-कोला, पेप्सिको, प्रॉक्टर एंड गैंबल या पीएंडजी, कोलगेट, फास्ट फूड में मेकडॉनल्ड, केएफसी, डोमिनोस। लाइफस्टाइल में नाइकी, लेविस, स्केचर्स, जीएपी और बैंकिंग में सिटीग्रुप ये सभी कंपनियां आज भारत में बड़े पैमाने पर कारोबार कर रही हैं। उदाहरण के लिए अमेज़न इंडिया का भारत में वार्षिक कारोबार 8 से 10 बिलियन डॉलर के बीच आंका जाता है, जबकि कोका-कोला और पेप्सिको का संयुक्त भारतीय कारोबार 4 बिलियन डॉलर से अधिक है। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल की भारतीय इकाइयां मिलकर सालाना 2 बिलियन डॉलर से ज्यादा का राजस्व अर्जित करती हैं।

इनमें से कई कंपनियां न केवल बिक्री से बल्कि भारतीय उपभोक्ताओं के डेटा से भी मुनाफा कमाती हैं। मसलन, मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भारत का यूज़र बेस दुनिया में सबसे बड़ा है, फेसबुक के लगभग 33 करोड़ और इंस्टाग्राम के 25 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ता भारत में हैं। इन प्लेटफॉर्म्स से होने वाली विज्ञापन आय का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका भेजा जाता है। गूगल के लिए भी भारत विज्ञापन बाजार में अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है, जिससे सालाना अरबों डॉलर की आमदनी होती है।

इसी तरह से फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों का दबदबा इतना है कि अगर भारत टैरिफ या प्रतिबंधात्मक कदम उठाए तो यह भारतीय उपभोक्ता बाजार के संतुलन को हिला सकता है। कोका-कोला और पेप्सिको मिलकर सॉफ्ट ड्रिंक बाजार के 70 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा रखते हैं। प्रॉक्टर एंड गैंबल और कोलगेट भारतीय टॉयलेटरीज़ बाजार में क्रमशः 20 और 50 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। नेस्ले जोकि स्विस मूल की है लेकिन अमेरिकी साझेदारियों से भी जुड़ी है का मैगी नूडल्स सेगमेंट में लगभग 60 प्रतिशत मार्केट शेयर है।

फास्ट फूड सेगमेंट की बात करें तो मेकडॉनल्ड, केएफसी डोमिनोस् और स्टारबक्स भारतीय शहरी खाद्य संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान बना चुके हैं। डोमिनोस् अकेले ही भारत में सालाना 1.5 बिलियन डॉलर का कारोबार करता है, जबकि स्टारबक्स ने भारत में प्रवेश के बाद से प्रीमियम कॉफी बाजार को लगभग अपने कब्जे में कर लिया है। लाइफस्टाइल और फैशन सेक्टर में नाइकी, लेविस और स्केचर्स जैसे ब्रांड भारतीय युवाओं में अत्यधिक लोकप्रिय हैं। लेविस का भारत में वार्षिक कारोबार करीब 300 मिलियन डॉलर है, जबकि स्केचर्स का भारतीय फुटवेयर बाजार में 5 प्रतिशत हिस्सा है और यह तेजी से बढ़ रहा है। गैप और गेस जैसे ब्रांड प्रीमियम और लक्जरी सेगमेंट में खास पहचान रखते हैं।

इन सबके बीच बैंकिंग और वित्त क्षेत्र भी अमेरिकी मौजूदगी से अछूता नहीं है। सिटीग्रुप का भारत में कॉरपोरेट लोन, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में मजबूत नेटवर्क है। सिटी इंडिया, जिसे आधिकारिक तौर पर सिटीग्रुप के नाम से जाना जाता है, एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी है। भारत में, यह सिटी इंडिया के रूप में काम करता है, जो एक प्रमुख वित्तीय संस्थान है। इसके पास लगभग 25 लाख क्रेडिट कार्ड ग्राहक हैं और भारतीय बाजार से सालाना करीब 1 बिलियन डॉलर का राजस्व अर्जित करता है।

अगर भारत अमेरिकी टैरिफ के जवाब में इन कंपनियों पर आर्थिक चोट करना चाहे तो इसके कई रास्ते हैं। पहला, अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाना, जिससे उनकी कीमतें बढ़ जाएं और वे प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएं। दूसरा, डेटा प्रोटेक्शन, उपभोक्ता सुरक्षा और पर्यावरण मानकों को सख्ती से लागू करना, जिससे उनके परिचालन लागत में वृद्धि हो। तीसरा, 'स्वदेशी' ब्रांडों और स्टार्टअप्स को सरकारी प्रोत्साहन देकर अमेरिकी ब्रांडों की निर्भरता घटाना। चौथा, सरकारी खरीद और रक्षा अनुबंधों में अमेरिकी कंपनियों की प्राथमिकता कम करना।

स्वभाविक है, ऐसे कदमों के वैश्विक असर भी होंगे। सबसे पहले, इससे वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित होगी, हालांकि यह भी सच है कि भारत के लिए अमेरिकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाना कोई आसान फैसला नहीं होगा। इन कंपनियों में लाखों भारतीय प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार पाते हैं। आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और सर्विस सेक्टर में इनका योगदान महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी केवल व्यापार तक सीमित नहीं है; इसमें रक्षा, कूटनीति और तकनीकी सहयोग भी शामिल हैं। लेकिन अगर ट्रंप की टैरिफ नीति एकतरफा और आक्रामक रूप से जारी रहती है, तो भारत के पास अपनी आर्थिक सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहेगा।

वस्तुत- इतिहास गवाह है कि जब भी कोई देश भारत के आर्थिक हितों पर चोट करता है, तो भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जवाब दिया है। आज की परिस्थिति में 'मौन जवाब' अमेरिकी कंपनियों को भारतीयों द्वारा स्वदेशी के माध्यम से दिया जाने लगे तो आप इसे कोई आश्चर्य नहीं मानना, क्योंकि भारत ऐसे प्रयोग पहले भी कई बार कर चुका है और सफल भी रहा है। फिलहाल इस बारे में यही कहना उचित होगा कि भारत के पास अपने बाजार और अमेरिकी कंपनियों पर नियंत्रण जैसे हथियार मौजूद हैं। यह हथियार शायद उतना दिखावटी न हो जितना ट्रंप का टैरिफ ऐलान, लेकिन यह तय है कि यदि सभी भारतीयों ने ÷स्वदेशी÷ को अपने जीवन में प्राथमकिता दे दी तो इसका असर कहीं अधिक गहरा, व्यापक और दीर्घकालिक होगा।

# बेकहम का बेरहम बेटा

**यह जगजाहिर है कि बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया को उनके बेटे ब्रुकलिन ने एक अमीर लड़की के प्यार में छोड़ दिया। हालांकि, दोनों की शादी के लिए कभी बेकहम ने इनकार नहीं किया यहां तक कि उन्होंने ब्रकलीन की शादी भी धूमधाम से की थी मगर कहा जाता है कि ब्रुकलीन की पत्नी निकोला और विक्टोरिया के बीच विवाद इस शादी से ही शुरू हो गया था और वह भी पोशाक को लेकर। बाद में विवाद इतना बढ़ा कि ब्रुकलिन निकोला को लेकर घर से अलग हो गया।**

**अमिताभ श्रीवास्तव**

विश्व फुटबाल के सुपर स्टार रहे व इस समय इंग्लैंड की प्रमुख हस्ती डेविड बेकहम को उनके बड़े बेटे ने बार-बार जो दर्द पहुंचाया है वो अब दुनिया में खबर बनकर छाने लगा है। यह जगजाहिर है कि बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया को उनके बेटे ब्रुकलिन ने एक अमीर लड़की के प्यार में छोड़ दिया। हालांकि, दोनों की शादी के लिए कभी बेकहम ने इनकार नहीं किया यहां तक कि उन्होंने ब्रकलीन की शादी भी धूमधाम से की थी मगर कहा जाता है कि ब्रुकलीन की पत्नी निकोला और विक्टोरिया के बीच विवाद इस शादी से ही शुरू हो गया था और वह भी पोशाक को लेकर। बाद में विवाद इतना बढ़ा कि ब्रुकलिन निकोला को लेकर घर से अलग हो गया। बेकहम ने काफी कोशिशें कीं कि वो वापीस लौट आए मगर ब्रुकलिन नहीं लौटा और हर बार ऐसे मौकों पर अपने पिता को उसने दुख पहुंचाया जब सारा जमाना बेकहम के लिए उपस्थित हुआ मगर एक उनका लड़का ही नहीं आया। बेकहम और विक्टोरिया दोनों आस लगाए बैठे रह गए। ब्रुकलिन रईसजादा बाप की लड़की निकोला की गिरफ्त में कुछ इस तरह है कि वो अपने मां-बाप को जलील करने से बाज नहीं आता। हाल ही में उसने अपनी मैरिज रजिस्ट्रेशन रिन्यू की पार्टी दी जिसमें बेकहम और विक्टोरिया को नहीं बुलाया गया था। अब इस पार्टी की तस्वीरें सार्वजनिक कर दी, जिसमें वो अपनी पत्नी के साथ रोमांस करता हुआ नजर आ रहा है। इन तस्वीरों को देखकर ही बेकहम को इस पार्टी के बारे में पता चला। बेकहम को चाहने वाले कहते हैं कि बेकहम का बेरहम बेटा है ब्रुकलिन, जो अब कभी वापीस नहीं आएगा।

सिनसिनाटी ओपन में बच्चे के रोने से सनसनी

यह सनसनी तब मची जब एम्मा राडुकानू और विश्व नंबर वन आर्यना साबालेंका के बीच सिनसिनाटी ओपन का महत्वपूर्ण मैच चल रहा था, जिसमें एम्मा आगे थी मगर तभी अचानक बच्चे के रोने की आवाज ने एम्मा को विचलित कर दिया। यह अजीब माहौल था। इसके पहले दर्शकों के शोर ने एम्मा को परेशान किया हुआ था। हालांकि खेल के बीच दर्शक चिल्ला नहीं रहे थे। मगर इस बच्चे ने ठीक उस वक्त रोना शुरू किया जब एम्मा, सर्विस कर रही थी। एम्मा तुरंत रुक गई। पूरे कोर्ट में सन्नाटे के बीच बच्चे के रोने ने सनसनी मचा दी। एम्मा राडुकानू ने रोते हुए बच्चे को स्टेडियम से बाहर निकालने की मांग की। दरअसल, ब्रिटिश स्टार निर्णायक तीसरे सेट में महत्वपूर्ण समय पर सर्विस कर रही थी, तभी बच्चे ने रोना शुरू किया और उसका ध्यान भंग कर दिया। तीसरे सेट में 3-4 के स्कोर पर राडुकानू को विश्व नंबर 1 के लिए कई ब्रेक प्वाइंट से बचना पड़ा। मैच ड्यूस पर था और बच्चे के रोने के बाद एम्मा की खेल गति भी डिस्टर्ब हुई। निराश होकर ब्रिटिश खिलाड़ी एम्मा ने अंपायर की ओर मुड़कर कहा, 'लगभग 10 मिनट हो गए हैं।' अंपायर ने कहा, 'यह एक बच्चा है। क्या आप चाहते हैं कि मैं इस बच्चे को स्टेडियम से बाहर निकाल दूं?' फिर दर्शकों ने एम्मा का समर्थन किया तो एम्मा मुस्कुरा उठी। इस मैच में आर्यना ने एम्मा को हरा दिया और अगले दौर में पहुंच गई।

# एक वोट और कई मालिक!

**राजन पारकर**

भारत देश को हम बचपन से लोकतंत्र का मंदिर कहते आए हैं, मगर अब तो हालात ऐसे हैं कि मंदिर की घंटियां कम और तिजोरी के ताले ज्यादा बजते सुनाई दे रहे हैं। वजह साफ है-विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा की वोट चोरी का भंडाफोड़ किया और फिर जो हंगामा मचा, वह सिर्फ संसद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि चाय की दुकान से लेकर व्हॉट्सऐप यूनिवर्सिटी तक फैल गया।

अब जरा मजा देखिए-सवाल पूछना है चुनाव आयोग से, लेकिन जवाब दे रहे हैं भाजपा के प्रवक्ता! यह वैसा ही है, जैसे शादी में दुल्हन गुम हो जाए और तलाशने भेज दिया जाए ससुराल वालों को! चुनाव आयोग का काम है जनता को जवाब देना, लेकिन यहां तो यह जिम्मेदारी भी कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर पार्टी नेताओं को दे दी गई है।

राहुल जी का कहना है-यह सिर्फ वोट चोरी नहीं, यह तो संविधान की आत्मा से सीधी गद्दारी है। और सच भी है। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने जो एक व्यक्ति-एक वोट का पवित्र सिद्धांत दिया था, वह आज कुछ लोगों के हाथ में एक व्यक्ति-कई वोट, और वह भी हर तरफ से जैसे अपग्रेडेड वर्जन में बदल गया है। इसे लोकतंत्र का अपग्रेड कहें या डाउनग्रेड, यह फैसला आप करें!

इसे तो चुनावी जादुई पेटी कहना चाहिए। सुबह उसमें 10 वोट डालिए, शाम को खोलिए तो 15 वोट बाहर! यह टेक्नोलॉजी है या तकनीकी जादू-यह सवाल पूछो तो जवाब मिलना नामुमकिन है। क्योंकि जवाब देने वाले ही अब प्रश्न मत पूछो संघ के कार्यकर्ता बन चुके हैं। हर तरफ एक ही अफरा-तफरी-मुख्यमंत्री से लेकर नीचे तक भाजपा नेता ऐसे भागदौड़ में हैं, जैसे 'वोट का पुलाव' जल न जाए, इसलिए रसोई में हड़कंप मच गया हो। लेकिन याद रखिए, पुलाव जल गया तो कढ़ाई बदलने से फायदा नहीं-धुआं तो बाहर आएगा ही।

लोकतंत्र के इस महान नाट्यगृह में आज पर्दे के पीछे के दृश्य ज्यादा रंगीन हैं और मंच पर खड़े कलाकार बस संवाद बोल रहे हैं। जनता की भूमिका वही-तालियां बजाने वाली दर्शक। मगर सवाल ये है-तालियां असली हैं भी याज्वो भी मशीन से निकलती हैं?

## धमधा के तुमाखुर्द गांव में स्कूली बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

**दुर्ग/रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई शैक्षणिक युक्तियुक्तकरण नीति का असर अब सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है। दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड के ग्राम तुमाखुर्द स्थित सरकारी प्राथमिक शाला में हाल ही तक एकमात्र शिक्षक के भरोसे स्कूल संचालित हो रहा था। विद्यालय में पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं संचालित थी, लेकिन शिक्षक की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।

एक ही शिक्षक के भरोसे पांचों कक्षाओं का संचालन असंभव था। बच्चों की पढ़ाई नियमित नहीं हो पाती थी और धीरे-धीरे उपस्थिति भी घटने लगी थी। परिजनों की चिंता बढ़ती जा रही थी, खासकर खुशबू जैसी छात्राओं के माता-पिता बेहद चिंतित थे, जो अपनी बच्ची को पढ़ाना चाहते थे लेकिन हालात साथ नहीं दे रहे थे। ऐसे में शिक्षा विभाग द्वारा युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत इस विद्यालय में एक योग्य शिक्षक की पदस्थापना की गई, जिसने विद्यालय की तस्वीर ही बदल दी। अब बच्चों को नियमित कक्षाएँ, खेल, कविताएं और कहानियों के माध्यम से पढ़ाई का आनंद मिल रहा है। खुशबू बताती है कि अब स्कूल आना अच्छा लगता है, नई-नई चीजें सीखने को मिलती हैं और शिक्षक ढेर सारे खेल-कविताएं सिखाते हैं। बदलते माहौल का असर बच्चों की उपस्थिति पर भी पड़ा है। अब यहां शत-प्रतिशत उपस्थिति देखी जा रही है। शिक्षक के समर्पण और बच्चों की जिज्ञासा ने मिलकर विद्यालय में एक नया उत्साह और उमंग भर दिया है। जो स्कूल कभी वीरान सा लगता था, वहां अब बच्चों की किलकारियां और सीखने की चहल-पहल साफ झलक रही है।

अभिभावकों को भी अब भरोसा है कि उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और नियमित शिक्षा मिल रही है। राज्य शासन की यह नीति केवल शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की पुनर्रचना नहीं, बल्कि ग्रामीण शिक्षा प्रणाली को मजबूती देने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। खुशबू जैसी नन्हीं छात्राओं की मुस्कान इस बात की गवाही दे रही है कि शिक्षा अब हर गांव और हर बच्चे तक पहुँच रही है।

## बलरामपुर जिले के 2033 स्कूलों में पालक शिक्षक मेगा बैठक संपन्न

**बलरामपुर।** बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के लिए में स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशन एवं कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले के 2033 स्कूलों में पालक-शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी पालकों को उनके बच्चों एवं विद्यालय के संपूर्ण गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई। ताकि पालक एवं शिक्षक के सामूहिक प्रयास से बच्चों के बेहतर भविष्य बनाया जा सके। अभिभावकों से बच्चों के शैक्षणिक स्तर, दिनचर्या, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में घर में शैक्षणिक वातावरण निर्माण हेतु मेरा कोना पहल की जानकारी दी गई, जिसके तहत अभिभावकों को प्रेरित किया गया कि वे अपने घरों में बच्चों के लिए एक विशेष अध्ययन स्थान निर्धारित करें। मेरा कोना न केवल बच्चों को अनुकूल वातावरण देगा बल्कि बच्चों में अनुशासन, नियमितता और अध्ययन के प्रति लगाव भी बढ़ेगा। बच्चा बोलेगा बेझिझक कार्यक्रम के तहत बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ावा, बच्चों की अकादमिक प्रगति, परीक्षा परिणाम, सीखने की दिनचर्या के संबंध में भी विस्तार से चर्चा किया गया। बैठक में आय, जाति एव निवास प्रमाण पत्र बनवाने, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाएं एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी, पॉस्को एक्ट 2012, डिजिटल शिक्षा प्लेटफॉर्म जैसे दिक्षा, ई-जादुई पिटारा आदि के संबंध में अभिभावकों को जानकारी भी दी गई। बच्चों के बेहतर शिक्षा में शिक्षकों के साथ-साथ पालकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है और शिक्षकों का मेहनत तब सार्थक होता है जब पालक भी अपने बच्चों की पढ़ाई में रूची दिखाते है। जिनके समन्वय और सक्रिय भागीदारी से बच्चे परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बेहतर परिणाम लाते है। निश्चित ही पालक-शिक्षक बैठक से बच्चों के शिक्षा में सुधार होगा।

## यातायात व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए सार्वजनिक नाली से हटाया गया अतिक्रमण

**बलरामपुर।**कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशानुसार जिले में अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज गुरुवार को छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने एसडीएम आनंद राम नेताम एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रणव राय के नेतृत्व में बलरामपुर मुख्यालय चांदो चौक में सार्वजनिक नाली पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। लोगों के द्वारा सार्वजनिक नाली पर कब्जा कर मुख्य मार्ग को संकरा बना दिया गया था जिस पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान संबंधितों को अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी भी दी गई कि कोई पुनः अतिक्रमण करता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि, जिले में अवैध अतिक्रमण से आम नागरिकों के दैनिक आवागमन को कठिन बना दिया था। विशेषकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यागजनों को चलने में भारी कठिनाइयों का समाना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि सड़कें और नालियां जैसे शासकीय संपत्ति पर यदि कोई अतिक्रमण करता है तो नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

# अंबिकापुर-रामानुजंगज राष्ट्रीय राजमार्ग अत्यंत जर्जर, फंस रहे वाहन और लग रहा जाम

**बलरामपुर/सूरजपुर।** अंबिकापुर-रामानुजंगज राष्ट्रीय राजमार्ग में बलरामपुर एवं राजपुर के बीच ग्राम पस्ता के पास बड़े-बड़े गढ्ढों में बोल्डर एवं मुरम डाला गया था। गुरुवार को जब वाहनें गुजरने लगी तो छह ट्रकों के टायर फट गए वहीं, सुबह छह बजे एवं नौ बजे दो बार ट्रक फंसने से घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो गई। दिन भर में कई बार गाड़ियां फंसी एवं जाम की स्थिति निर्मित हुई। एक्सीवेटर और हाइड्रा की मदद से वाहनों को बाहर निकाला।

रामानुजगंज से अंबिकापुर के बीच तीन खंडों में टू लेन सड़क का निर्माण किया जाना है। इसके पूर्व सड़क को आवागमन लायक बनाने के लिए 10 करोड रुपये स्वीकृत किए गए थे जिससे सड़क के मरम्मत का कार्य चल रहा है परंतु मरम्मत के कार्य में घोर लापरवाही ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है, जो परेशानी का सबब बन रहा है। बीते कई दिनों से बलरामपुर से राजपुर के बीच आवगमन प्रभावित हो रहा है। सड़क की मरम्मत के नाम पर ठेकेदार के द्वारा लीपापोती करने में

कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

पस्ता के स्थानीय नागरिक अरुण गुप्ता ने कहा कि, विगत कई दिनों से जर्जर सड़क हम सबके लिए परेशानी का सबब बना है। पस्ता राष्ट्रीय राजमार्ग गड्?ढ़ों से भर गया है। प्रतिदिन गाड़ियां फंस रही है परंतु इसके बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी एवं ठेकेदार गड्?ढ़ो को भरने में लापरवाही बरत रहे हैं।

पस्ता थाना प्रभारी विमलेश सिंह ने बताया कि, एक सप्ताह से राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गई है। कई बार हम लोगों के द्वारा आवागमन दुरुस्त करने के लिए स्थानीय स्तर पर एक्सीवेटर की मदद से वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु किया जा रहा है।

सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम खुशी पंचायत भवन के पास पीएमजीएसवाई योजना के तहत दलदली नाला पर बनाई गई पाइप पुलिया का आधा हिस्सा पिछले दिनों हुई तेज बारिश में बह गया। आधा हिस्सा बहने के साथ ही पुलिया में लगे पाइप के ऊपर डाली गई मिट्टी का भी कटाव हो गया है। इससे पुलिया के ऊपर सड़?क खोखली हो गई है जो कभी भी धराशायी होकर गिर सकती है और इस पर से गुजरने वाले वाहन सवारों के लिए भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। पुलिया के ऊपर बनी सड़क तो खोखली हो ही चुकी है साथ ही सड़क का बाकी हिस्सा भी कई जगहों पर मरम्मत मांग रहा है। उल्लेखनीय है कि, आज गुरुवार से लगभग आठ वर्ष पूर्व पीएमजीएसवाई योजना के तहत प्रतापपुर विकासखंड के ही मायापुर से लेकर पहिया, खुशी व मझगवां तक करोड़ों की लागत से लगभग दस किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया गया था। सड़क निर्माण के साथ ही ग्राम खुशी के दलदली नाला में पाइप पुलिया का भी निर्माण किया गया था जिसका आधा हिस्सा पिछले दिनों हुई भारी के कारण बह गया।

आवागमन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण यह सड़क बनारस मार्ग से भी जुड़ी हुई है। इस सड़क से रोजाना दर्जनों वाहन सवार ग्रामीण आवाजाही करते हैं। इस संबंध में ग्राम खुशी के सरपंच रामजय रमते ने बताया कि, पुलिया को थोड़ा बहुत हिस्सा पहले भी क्षतिग्रस्त होता रहा है जिसे पंचायत द्वारा मरम्मत कर सुधार दिया जाता था। इस बार की बारिश में पुलिया को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है। इसके कारण इसकी मरम्मत करना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि यदि पाइप पुलिया के स्थान पर पिलर वाला पुलिया बनाई गई होती ती आज यह स्थिति नहीं होती। सरपंच रमते ने शासन प्रशासन से शीघ्र पुलिया की मरम्मत कराने मांग की है।

लंबे समय से अटकी है पिलर पुल-पुलिया निर्माण की फाइलमिली जानकारी अनुसार, जिले में पीएमजीएसवाई के लगभग 17 से 18 पुल-पुलिया ऐसे हैं जिन्हें पिलर तकनीक में ढालने की आवश्यकता है। इसकी स्वीकृति के लिए विभाग ने वर्ष 2017-18 में पूरी जानकारी के साथ केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय को एक फाइल बनाकर भेजी थी। पर इतना लंबा समय बीत जाने के बाद भी यह फाइल मंत्रालय में ही अटकी हुई है।

सूरजपुर पीएमजीएसवाई एसडीओ शेखर शुभम निकुंज ने बताया कि, ग्राम खुशी में पुलिया के क्षतिग्रस्त हो जाने की जानकारी मिली है। जल्द से जल्द पुलिया का मरम्मत कार्य आरंभ किया जाएगा। इसके लिए ठेकेदार को भी सूचित कर दिया गया है।

## स्तनपान शिविर व जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

**बलौदाबाजार, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के आयुष विभाग बलौदाबाजार द्वारा गुरूवार को सिमगा विकासखण्ड के आयुष ग्राम हथबंद आगनबाड़ी केन्द्र में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत स्तनपान जागरूकता शिविर एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को स्तनपान का महत्व बताते हुए शतावरी चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, सौभाग्य शुंठी पाक, द्राक्षासव आदि आयुर्वेदिक दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में डॉ. नम्रता सिंघानिया, फार्मासिस्ट गोविंद पैकरा, आंगबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, मितानिन सहित बड़ी संख्या महिलाएं उपस्थित रहीं।

## नारियल विकास बोर्ड कोंडागांव में 10 रुपये में नारियल मिलने से चर्चा का केंद्र बना

**कोंडागांव, एजेंसी।** जिले का इकलौता नारियल विकास बोर्ड कोंडागांव में संचालित है, इसका संचालन केंद्र सरकार करती है। यहां 150 एकड़ क्षेत्रफल में नारियल की खेती की जा रही है। जो इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है, जिसका कारण यह है कि छत्तीसगढ़ में 50 रुपये तक में मिलने वाला नारियल कोंडागांव में मात्र 10 रुपये में मिल रहा है। इसे खरीदने के लिए वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई है। लोग 10 में खरीदकर इसे 20-25 में बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। इस बोर्ड द्वारा उगाए गए नारियल आम बाजार में मिलने वाले नारियल से अधिक ताजे और बेहतर गुणवत्ता वाले हैं। साथ ही कीमत में भी

बेहद सस्ते हैं। बाजार में एक नारियल 20 से 25 रुपये का मिलता है, हालांकि छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों की बात करें तो नारियल पानी की कीमत 50 रूपये तक है। सीता बाई, जो पास के ही एक गांव से आती हैं, बताती हैं, ÷हम रोज 50-60 नारियल लेते हैं और बाजार में बेचते हैं। राखी के टाइम पर बहुत डिमांड रहती है। एक नारियल पर 10-15 रुपये का मुनाफा हो जाता है।

नारियल विकास बोर्डकोंडागांव में इन दिनों बेहद सस्ते दामों पर नारियल की उपलब्धता होने के कारण नारियल खरीदने के लिए महिलाओं और पुरुषों की लंबी कतारें लग रही हैं । त्योहारी मांग के चलते यहां महिलाओं की बड़ी संख्या पहुंच रही है। कई महिलाएं रोजाना दर्जनों नारियल खरीदकर बाजार में 20-25 रुपये में बेच रही हैं। इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है। नारियल विकास बोर्ड सिर्फ फल बेचने तक सीमित नहीं है। यहां पर किसानों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। वे अपनी ज़मीन पर नारियल, कोको, अदरक, दालचीनी, तेजपत्ता, लीची और आम जैसी नकदी फसलें उगा सकते हैं। इससे वे पारंपरिक खेती के साथ-साथ वैकल्पिक आय का जरिया भी विकसित कर रहे हैं। बोर्ड के अधिकारी बताते हैं कि अब तक कई किसान नारियल की खेती से जुड़ चुके हैं ।

## आईटीआई सकरी में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला 11 अगस्त को

**बलौदाबाजार, एजेंसी।** आईटीआई के विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित युवाओं को रोज़गार पाने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। शासकीय आद्यौगिक प्रशिक्षण संस्था सकरी बलौदाबाजार में आगामी 11 अगस्त ,सोमवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले का आयोजन सुबह 10.30 बजे से होगा। उक्त मेले में विभिन्न प्रतिष्ठानों को अप्रेंटिसशिप एवं प्लेसमेंट हेतु आंमत्रित किया गया है।

शासकीय एवं निजी आईटीआई से उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं आवश्यक अभिलेखों और दस्तावेजों के साथ शामिल होकर इस अवसर का लाभ ले सकते है। कलेक्टर दीपक सोनी ने जिले के सभी आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं से इस मेले में शामिल होने की अपील की है।उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण आयोजन है। अप्रेंटिसशिप की अवधि एक वर्ष की होगी। अप्रेंटिसशिप पूर्ण करके युवाओं को विभिन्न संस्थानों में रोज़गार के बेहतर अवसर मिल पाएंगे।

## बस्तर जिले में हर घर तिरंगा अभियान का आगाज:बिहान दीदियों ने संभाली कमान

**जगदलपुर, एजेंसी।** देश की आजादी की 79 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत बस्तर जिले में हर घर तिरंगा अभियान का भव्य आगाज हो चुका है। कलेक्टर हरिस एस और जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन के आह्वान पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) समूह की दीदियों ने इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित की है। बिहान समूह की दीदियों ने हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इस दिशा में वे रंगोली बनाने और रैलियां निकालने जैसे रचनात्मक तरीकों का उपयोग कर संदेश प्रसारित कर रही हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस राष्ट्रीय पर्व का हिस्सा बन सकें। बस्तर जिले के बस्तर, बकावंड, लोहंडीगुड़ा, जगदलपुर, दरभा, तोकापाल और बास्तानार ब्लॉकों में 15 अगस्त तक चलने वाले इस हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत बिहान की

दीदियों द्वारा तिरंगा फहराकर की गई । इस अवसर पर उन्होंने जिले वासियों और ग्रामवासियों को अभियान में उत्साहपूर्वक शामिल होने का संदेश दिया । यह अभियान केवल ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य देश प्रेम, राष्ट्रीय गौरव और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है । बिहान स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर तिरंगा लहराकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की ।

## महापौर के नेतृत्व में निगम द्वारा निकाली स्वच्छता जनजागरूकता रैली

**जगदलपुर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के नगर निगम जगदलपुर द्वारा महापौर संजय पाण्डे के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता अभियान में नगर निगम के अधिकारीगण, सभी पार्षदगण, सम्माननीय नागरिक, स्वच्छता एंबेसडर, व्यापारीगण एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य है जगदलपुर शहर को साफ-सुथरा और स्वच्छता में नंबर 1 स्थान दिलाना है। इसके लिए आम नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की जा रही है कि वे अपने घरों और दुकानों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखें, ताकि उसे सेग्रीग्रेशन सेंटर में उचित तरीके से निपटाया जा सके। अभियान की शुरुआत 14 जुलाई से हुई, जिसके अंतर्गत प्रतिदिन अलग-अलग स्थानों पर रैली के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आज गुरूवार को महापौर

संजय पाण्डे के नेतृत्व में पैलेस रोड से एक जनजागरूकता रैली निकाली गई। सभी सहभागीगण हाथों में पाम्पलेट व माईक लिए दुकानों में जाकर स्वच्छता का संदेश दे रहे थे। उन्होंने दुकानदारों से हाथ जोड़कर निवेदन किया कि वे गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में रखें और नगर निगम की कचरा गाड़ी में ही कचरा दें। महापौर संजय पाण्डेने कहा कि आपका छोटा सा प्रयास हमारे नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में बहुत बड़ा योगदान होगा। हम सबकी भागीदारी से ही स्वच्छ और सुंदर जगदलपुर का निर्माण संभव है।

उन्होंने कहा कि गीले कचरे से जैविक खाद बनाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सकता है। यदि कचरा वाहन नियमित नहीं आता है, तो नागरिक टोल फ्री नंबर 1100 या अपने वार्ड पार्षद से संपर्क कर सकते हैं। यह अभियान केवल नगर निगम का नहीं, हर नागरिक का अभियान है। आइए, हम सभी मिलकर जगदलपुर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर बनाएं। अभियान के दौरान महापौर संजय पाण्डे, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, पूर्व महापौर सफिरा साहू, एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, निर्मल पाणिग्रही, योगेंद्र पांडे, संजय विश्वकर्मा, संग्राम सिंह राणा, सुरेश गुप्ता, त्रिवेणी रंधारी, कलावती कसेर पार्षदगण खगेंद्र ठाकुर, पूनम सिन्हा, पारुल बोथरा, रोशन सिसोदिया, उमा मिश्रा, विधु शेखर झा, एच वाय कुकड़े, राजीव निगम, हेमंत श्रीवास, दामोदर कुमार, शक्ति बेल, नीटू भदोरिया, मनोहर दत्त तिवारी, रोहित त्रिवेदी, रघु सेठिया, प्रकाश झा, संजय चंद्राकर, राजपाल कसेर, झरना मोहंती, रंजीता पाणिग्रही, नवीन बोथरा, वीरेन्द्र जोशी, विमल पांडे, सूरज श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

# रतलाम में पिता, बेटे और काका को उम्रकैद:पेड़ से केरी उतारने पर 4 साल पहले हुई थी हत्या; इलाज के दौरान हुई मौत

**रतलाम, एजेंसी।** रतलाम में 4 साल पहले पेड़ से केरी उतारने के दौरान हुए विवाद में हत्या के मामले में कोर्ट ने मंगलवार को पिता, बेटे व काका को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 16 हजार 800 रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। फैसला सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश रतलाम राजेश नामदेव ने सुनाया है।

अपर लोक अभियोजक समरथ पाटीदार ने बताया कि फरियादी बलराम ग्राम रूनीजा में रहकर चाय की दुकान पर मजदूरी करता था। 5 जून 2021 को वह दादा शंभुलाल पिता मानाजी खदेडा व उसके मामा अमरसिंह पिता डुंगरसिंह निवासी खरगापाडा के साथ धनसेरा वाले खेत पर आम के पेड़ से केरी उतारने गए थे।

तभी वहां भैरूलाल, नानालाल व भैरुलाल का लड़का मुकेश पहुंचा। कहा कि आम का पेड़ उनका है इसलिए आम से केरी नहीं उतारने देंगे। इस दौरान इन्होंने विवाद कर मारपीट की। दादा शंभुलाल को सिर पर तलवार मारी। साथ आए अमरसिंह के साथ भी मारपीट की। उसी दौरान 100 डायल को सूचना की। मारपीट कर अभियुक्त भाग गए।

बलराम ने उसके पापा गोपाल खदेड़ा को फोन कर बुलाया। एम्बुलेंस से घायल दादा को रतलाम जिला अस्पताल लेकर आए। यहां से अहमदाबाद रेफर कर दिया। बिलपांक थाना पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने शराब की सभी पेटियां निकालकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

**इलाज के दौरान हुई मौत :** दादा शंभुसिंह की अहमदाबाद में इलाज के दौरान मोत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर घटनाक्रम की जांच की। जांच में हत्या करना पाया गया। तब पुलिस ने धारा 324, 302 और आर्म्स एक्ट की धारा 25 (1-बी) (बी) बढ़ाई। अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया।राजगढ़ जिले के सुठालिया में पीएम श्री स्कूल में कुछ छात्रों ने क्लास के दौरान एलईडी स्क्रीन पर पोर्न फिल्म चला दी। इस मामले में जांच के लिए जिला शिक्षा अधिकारी करण सिंह भिलाला ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

समिति में जीरापुर उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य, तेलन पीएम श्री विद्यालय के प्राचार्य और नरसिंहगढ़ विकासखंड अधिकारी को शामिल किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने समिति को तीन दिन के अंदर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी

जिला शिक्षा अधिकारी भिलाला के अनुसार वायरल वीडियो करीब 6-7 महीने पुराना है। उन्होंने कहा कि ये पिछले सत्र का वीडियो है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

**कोर्ट में हुआ समझौता:** फरियादी द्वारा आरोपीगण से समझौता भी किया था। न्यायालय में लिखित समझौता प्रस्तुत किया गया। लेकिन कोर्ट ने पुलिस जांच, सबूतों, पीएम रिपोर्ट समेत सारे तथ्यों को ध्यान में रख फैसला सुनाते हुए भेरूलाल (54) पिता शंकरलाल देवदा, गुड्डा उर्फ नानालाल उर्फ रतनलाल (52) पिता शंकरलाल देवदा व मुकेश (22) पिता भेरूलाल देवदा तीनों निवासी ग्राम कमेड़, थाना बिलपांक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

## पिता की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या:जबलपुर में दो बेटों ने हाथ-पैर बांधकर नहर में फेंका शव, दोनों आरोपी गिरफ्तार

**जबलपुर, एजेंसी।** जबलपुर में पारिवारिक विवाद में बेटों ने पिता की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद हाथ-पैर बांधकर शव नहर में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी दोनों बेटों को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना जिला मुख्यालय से 60 किमी दूर मझगवां थाना क्षेत्र के अगरिया गांव की है। मंगलवार को बुढरी की बड़ी नहर में ग्रामीणों को शव दिखा था। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान गिरानी कुमार चक्रवर्ती के रूप में हुई है।

**10 किमी दूर ले जाकर फेंका शव :** मझगवां थाना प्रभारी हरदयाल उदय सिंह ने बताया कि गिरानी के दोनों बेटे संतोष चक्रवर्ती (28) और अजय चक्रवर्ती रोजाना होने वाले पारिवारिक विवाद और गाली-गलौज से परेशान थे। सोमवार को पिता और बेटों में विवाद इतना बढ़ गया कि बेटों ने पिता की हत्या कर दी। शव को 10 किमी दूर ले जाकर नहर में फेंक दिया।

**लोग बोले- घरेलू कलह ने खुशियां मातम में बदली :** ग्रामीणों का कहना है कि घटना से एक दिन पहले तक पूरा परिवार राखी त्योहार की तैयारियों में जुटा था। लेकिन घरेलू कलह ने त्योहार की खुशियों को मातम में बदल दिया।

## फिल्मपुष्पा की तरह टैंकर में शराब की तस्करी:आगर पुलिस ने पकड़ी एक करोड़ कीमत की शराब, 7 चेंबर में रखी थीं पेटियां

**आगर मालवा, एजेंसी।** आगर में पुलिस ने एक करोड़ रुपए कीमत की अवैध शराब पकड़ी है। ये शराब फिल्म पुष्पा की तर्ज पर एक टैंकर में छिपा कर ले जाई जा रही थी। टैंकर के अंदर सात अलग-अलग चेंबर बना रखे थे। जिनमें शराब की पेटियां रखी थी।

कोतवाली पुलिस ने सुसनेर रोड पर शंका होने पर टैंकर को रोका और पूछताछ की। टैंकर को थाने लाया गया। जहां उसे कटर से काटा गया। इसके बाद जो दिखा उसने देखकर पुलिस भी हैरान रह गई।

**पीछे वाला चेंबर खाली, बाकी 6 चेंबर में रखी थी शराब :** टैंकर में महंगे ब्रांड्स की शराब की पेटियां जमा रखी थी। टैंकर के अंदर सात अलग-अलग चेंबर बनाए गए थे। किसी को शक न हो इसलिए सबसे पीछे का चेंबर खाली रखा गया था। बाकी छह चेंबर्स में महंगे ब्रांड की शराब की पेटियां भरी थीं। टैंकर पर बाहर से ओनली फॉर एडिबल ऑयल लिखा हुआ था।

**चंडीगढ़ से गुजरात ले जाई जा रही थी मंहगी शराब :** पुलिस के अनुसार टैंकर चंडीगढ़ से राजस्थान और मध्यप्रदेश होते हुए गुजरात जा रहा था। गुजरात पहुंचने के बाद चालक को वॉट्सऐप कॉल के जरिए शराब की डिलीवरी के लिए संपर्क किया जाना था। पुलिस ने टैंकर चालक को हिरासत में ले लिया है।

## तेज रफ्तार ट्रक ने खड़ी यात्री बस में मारी टक्कर, सागर में बस पलटी; ड्राइवर समेत 15 यात्री घायल

**सागर, एजेंसी।** सागर के नेशनल हाईवे-44 पर ग्राम बेरखेड़ी गुरु के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी यात्री बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस पलट गई। हादसे में बस, ट्रक का ड्राइवर समेत 15 यात्री घायल हुए हैं। घटना की सूचना पर पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बस क्रमांक एमपी 11 पी 0332 बुधवार सुबह सागर से सवारियां लेकर नरसिंहपुर की ओर जा रही थी। सभी नेशनल हाईवे-44 पर स्थित ग्राम बेरखेड़ी गुरु में ड्राइवर ने फूल लेने के लिए सड़क किनारे बस खड़ी की। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक क्रमांक एमपी 07 एचबी 5190 ने खड़ी बस में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर में बस सड़क किनारे पलट गई।

हादसा होते देख मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना देख राहगीर मौके पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सूचना पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं क्रेन की मदद से बस और ट्रक को घटनास्थल से हटवाया है।

## 13 साल की बेटी से सौतेले पिता ने किया दुष्कर्म, 5 माह की गर्भ होने पर पता चला; पीड़िता रायसेन जिला अस्पताल किया रेफर

**रायसेन, एजेंसी।** रायसेन जिले के सिलवानी बम्होरी थाना क्षेत्र में एक सौतेले पिता द्वारा नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 40 वर्षीय आरोपी पिता पिछले 5 माह से 13 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म कर रहा था। मंगलवार शाम को पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर उसकी मां उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्होरी ले गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सिविल अस्पताल सिलवानी भेजा गया। डॉक्टरों ने जांच में पाया कि पीड़िता 5 माह की गर्भवती है। घटना की जानकारी मिलते ही बम्होरी पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने पीड़िता और परिजनों के बयान दर्ज किए। पीड़िता की स्थिति को देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय रायसेन रेफर कर दिया गया है। एसडीओपी अनिल मौर्य ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है, जांच की जा रही है।

## सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जागा उज्जैन नगर निगम:16 माह में डॉग बाइट के 30 हजार केस, स्ट्रीट डॉग को शहर से बाहर करेगा निगम

**उज्जैन, एजेंसी।** दिल्ली-एनसीआर में स्ट्रीट डॉग्स पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का असर उज्जैन में भी दिखने लगा है। आदेश की जानकारी मिलने के बाद शहरवासी नगर निगम को लगातार फोन कर हिंसक हो चुके कुत्तों को शहर से बाहर भेजने की मांग कर रहे हैं।

मंगलवार को महापौर मुकेश टटवाल ने इस मुद्दे पर अधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान पर चर्चा की। पिछले डेढ़ साल में उज्जैन में करीब 30 हजार लोग कुत्तों के हमले का शिकार हुए हैं, जबकि दो लोगों की मौत भी हो चुकी है।

**आवारा कुत्तों पर नियंत्रण को लेकर बुलाई बैठक :** मंगलवार को महापौर मुकेश टटवाल ने स्वास्थ्य विभाग प्रभारी सत्यनारायण चौहान, उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल और संजेश गुप्ता की मौजूदगी में बैठक की। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में नगर निगम ने 30,696 स्ट्रीट डॉग्स की नसबंदी कराई है। बैठक में महापौर ने सदावल स्थित श्वान घर की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और शहर में रोजाना बढ़ रही कुत्तों के हमले व काटने की शिकायतों पर व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने हिंसक व आवारा कुत्तों की नसबंदी के साथ रेबीज टीकाकरण अभियान तेज करने पर भी जोर दिया।

**16 माह में 30 हजार लोगों को कुत्तों ने काटा :** उज्जैन शहर की 7 लाख आबादी में 2024 में 19949 कुत्ते के काटने के केस दर्ज किये गए ,जनवरी से जून (2025) तक 10296 कुत्ते की काटने घटनाएं सामने आई। जिसमें कुत्ते के लपकने के कारण दो लोगों की मौत भी हो चुकी है। उज्जैन में इसी साल मई में 1417,जून में 1552 और जुलाई में 1512 डॉग बाइट की घटना हुई है।

महापौर मुकेश टटवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कुत्तों को पकड़ने की कार्यवाही कर रहे। लोगो को नुकसान पहुंचाने वाले कुत्तों को कुत्ता घर पहुंचाने की व्यवस्था की जायेगी। कोर्ट के निर्णय के बाद कई लोगो के काल आ रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से राय लेकर कार्यवाही करेंगे।

00000000000

## मैहर में डीजे विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट,जन्मदिन कार्यक्रम के बाद हुआ झगड़ा; टीआई बोले-सीसीटीवी से आरोपियों की हो रही तलाश

**मैहर, एजेंसी।** मैहर में सोमवार रात जन्मदिन कार्यक्रम के बाद डीजे को लेकर विवाद हो गया। साहिलरा गांव में विवाद बढ़ने के बाद दो पक्षों में मारपीट तक पहुंच गई। दरअसल, हनुमान टोला के काली कोल उर्फ छोटा डॉन और उनके साथी डीजे लेकर साहिलरा पहुंचे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद वे डीजे बजाते हुए लौट रहे थे। बांधा बैरियर के पास जतिन शर्मा से उनकी बहस हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष भिड़ गए।

**डीजे लेकर बांधा बैरियर पर जमा हुए लोग :** इसके बाद हनुमान टोला के लोग डीजे लेकर बांधा बैरियर पर जमा हो गए। पुलिस ने उन्हें वहां से हटाकर थाना मैहर बुला लिया। मां शारदा मंदिर की पार्किंग में लगे सीसीटीवी कैमरे में लाठी-डंडों से लैस लोगों का वीडियो रिकॉर्ड हो गया है।मामले में पुलिस मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच कर रही है।

**दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज :** थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी ने बताया कि जतिन शर्मा की शिकायत पर काली कोल और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ धारा 115, 296 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी तरफ, विनय आदिवासी की शिकायत पर जतिन शर्मा के खिलाफ धारा 115, 296 बीएनएस और एससी/एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।योजनाबद्ध तरीके से सामंजस्य स्थापित हो, जिससे विकास के साथ प्रकृति भी संरक्षित रहें। भारत की प्राचीन निर्माण परंपराएं आज भी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में मार्गदर्शन करती हैं। उन्होंने भोपाल के बड़े तालाब का उदाहरण देते हुए बताया कि यह बिना किसी नदी की मुख्यधारा को रोके, प्राकृतिक चट्टानों के बीच पानी संग्रहित करने की तकनीक से बना था। यह तालाब केवल सजावट की वस्तु नहीं, बल्कि पीने के पानी का स्रोत भी है। इसकी संरचना इस तरह है

## सीहोर में चोरी का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार, 25 हजार का लैपटॉप बरामद; पुलिस ने तकनीकी सबूतों के आधार पर पकड़ा

**सीहोर, एजेंसी।** सीहोर कोतवाली पुलिस ने लैपटॉप चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 13 जुलाई को रितेश विश्वकर्मा ने इंग्लिश पूरा में लैपटॉप चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसपी दीपक शुक्ला के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। नगर एसपी अभिनंदना शर्मा के मार्गदर्शन और टीआई रविंद्र यादव के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आरोपियों का पता लगाया गया।

**एचपी कंपनी का लैपटॉप बरामद :** गिरफ्तार आरोपियों में 26 साल का संस्कार उर्फ चिंटू अग्रवाल और 19 साल का स्वयं सूर्यवंशी शामिल हैं। संस्कार उमराव पटेल का बगीचा कोतवाली का रहने वाला है। स्वयं मेंमदाखेड़ी गांव, आष्टा का निवासी है। दोनों के कब्जे से एचपी कंपनी का लैपटॉप बरामद किया गया है। लैपटॉप की कीमत लगभग 25 हजार रुपए है। आरोपियों को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।

# एसटीआर के मढ़ई में टाइगर का शव मिला, लगदा कैंप के पास 2 दिन पहले हुई मौत; खरोंच के निशान मिले, शिकार की आशंका

**नर्मदापुरम, एजेंसी।** सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के मढ़ई क्षेत्र में एक बाघ की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे गश्ती टीम ने लगदा कैंप के पास एक पानी से भरे गड्ढे में बाघ का शव देखा। सूचना मिलते ही वन विभाग में हड़कंप मच गया और रेंजर राहुल उपाध्याय मौके पर पहुंचे। वहीं, नर्मदापुरम से सीसीएफ अशोक कुमार चौहान, एसटीआर डिप्टी डायरेक्टर ऋचा नेताम और डॉक्टरों की टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो गई।दोपहर को फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। परिजन द्वारा कई कॉल करने पर भी जब उसने कॉल नहीं उठाया तो दोस्तों को उसके कमरे पर भेजा गया था। जहां गेट अंदर से बंद मिला, जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में गेट तोड़कर बॉडी को बरामद किया गया। पीएम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, सोहन देशमुख मूल रूप से बैतूल का रहने वाला था। भोपाल के नरेला शंकरी में किराए के कमरे में रहता था। रविवार को उसने आखिरी बार परिजन से फोन पर बात की थी। इसके बाद सोमवार को सुबह जब उसे कॉल किए गए तो फोन नहीं उठाए। तब परिजनों ने चेक करने दोस्तों को उसके रूप पर भेजा। टीआई महेश लिल्होरे ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामले की जांच की जा रही है। परिजन और करीबियों के फिलहाल बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मार्च निकालने के दौरान उन्हें हिरासत में लेने के विरोध में आज भोपाल में प्रदर्शन किया गया। उधर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी की गिरफ्तारी पर कहा है कि भाजपा चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर रही है। आज का दिन इतिहास में काले दिन के रूप में दर्ज होगा। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि राहुल गांधी ने जिस तरह वोट चोरी का खुलासा किया है, वह भाजपा की असलियत को सामने लाता है। लोकतंत्र की रक्षा और राहुल गांधी की ताकत को बढ़ाने के लिए देश को एकजुट होकर खड़ा होना होगा। सिंघार ने कहा कि वे राहुल गांधी की गिरफ्तारी की निंदा करते हैं।

**शव पर मिले खरोंच के निशान, दो से तीन दिन पुराना :** जानकारी के अनुसार, बाघ के शरीर पर खरोंच के निशान मिले हैं, जिससे वन विभाग इसे आपसी संघर्ष का मामला मान रहा है। शव दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है और उसमें सड़न भी शुरू हो चुकी है।

**जिम्मेदार अधिकारी छुट्टी पर :** घटना को लेकर जब फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि वह ट्रेनिंग पर हैं। वहीं सोहागपुर-मढ़ई एसडीओ अंकित जामोद ने कहा कि वे छुट्टी पर हैं। हालांकि सीसीएफ और डिप्टी डायरेक्टर मौके पर पहुंच चुके हैं। अभी तक विभाग ने बाघ की मौत का स्पष्ट कारण नहीं बताया है।

**पहले भी घुसे हैं शिकारी, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल :** स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब 15 दिन पहले मढ़ई के कोर क्षेत्र में तीन युवक मछली पकड़ने के लिए देनवा नदी पार कर जंगल में घुस गए थे। इस दौरान एक युवक पर बाघ ने हमला भी किया था, जो किसी तरह बचकर बाहर निकला। बाद में एसटीआर ने तीनों के खिलाफ अवैध प्रवेश और शिकार की कोशिश का केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था।

## छतरपुर पुलिस लाइन में फाइनल परेड रिहर्सल: स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्टर करेंगे ध्वजारोहण, भोपाल से होगा मुख्य कार्यक्रम का प्रसारण

**छतरपुर, एजेंसी।** छतरपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी हो गई हैं। बुधवार को पुलिस लाइन परिसर में फाइनल परेड रिहर्सल आयोजित की गई। कलेक्टर पार्थ जायसवाल और एसपी अगम जैन ने परेड का निरीक्षण किया। रिहर्सल में ध्वजारोहण और राष्ट्रीय सलामी के साथ शुरुआत हुई। पुलिस प्लाटून का निरीक्षण और हर्ष फायरिंग की गई। पुलिस बैंड प्लाटून ने प्रदर्शन किया। मल्टी स्क्रीनिंग के माध्यम से भोपाल परेड ग्राउंड से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होगा। अलग-अलग शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल की। एसपी ने परेड कमांडर और प्लाटून कमांडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला दंडाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने यातायात व्यवस्था के लिए विशेष निर्देश जारी किए।

**एनसीसी और महिला शौर्य दल ने लिया भाग :** परेड का नेतृत्व डीएसपी हर्ष राठौर ने किया। महिला टीआई निरीक्षक प्रतिभा श्रीवास्तव सेकंड इन कमांड रहीं। रिहर्सल में जिला पुलिस बल छतरपुर, विशेष सशस्त्र बल, पुलिस बैंड प्लाटून, नगर सैनिक बल, एनसीसी और महिला शौर्य दल ने भाग लिया। ये अधिकारी उपस्थित रहे- कार्यक्रम में अपर कलेक्टर मिलिंद नागदेव, नगर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सोनी और रक्षित निरीक्षक पूर्णिमा मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## आईओए ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली को मंजूरी दी

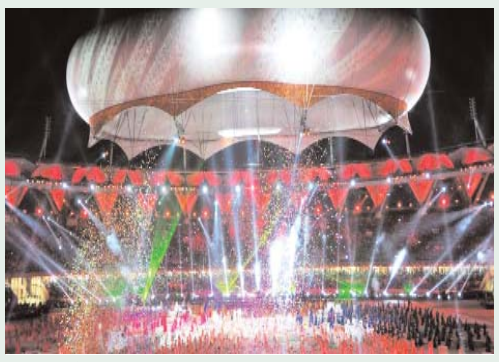

**नई दिल्ली, ऐजंसी।** भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को यहां अपनी विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए देश की बोली को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। भारत ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद को मेज़बान शहर बनाते हुए पहले ही रुचि पत्र जमा कर दिया है, लेकिन भारत को अंतिम बोली के लिए 31 अगस्त से पहले प्रस्ताव जमा करने होंगे।

कनाडा के इस दौड़ से बाहर हो जाने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावना बढ़ गई है। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेलों के अधिकारियों का एक दल हाल ही में अहमदाबाद आया और आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात की। इस महीने के अंत में राष्ट्रमंडल खेलों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल पहुंचने की उम्मीद है। राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा नवंबर के अंतिम सप्ताह में ग्लासगो में मेज़बान देश का फैसला करेगी। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी की थी।

## सागर धनकड़ हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द की

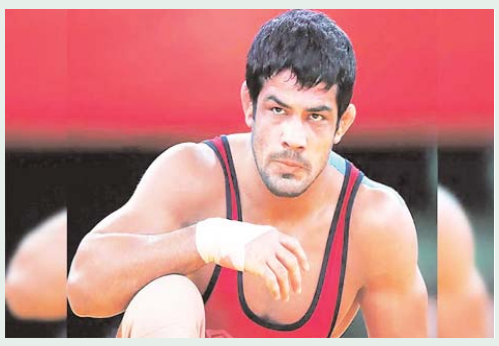

**नई दिल्ली, ऐजंसी।** ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को देश की सर्वोच्च अदालत से झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या मामले में सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत रद्द करते हुए सुशील कुमार को एक सप्ताह के अंदर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है। सुशील कुमार पर पहलवान सागर धनकड़ की हत्या का मामला दर्ज किया गया था। 4 साल जेल में रहे सुशील को दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी थी। हाईकोर्ट ने सुशील कुमार को 50 हजार के बॉन्ड और इसी राशि के जमानतदारों की गारंटी पर रिहा किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा हत्या मामले में सुशील कुमार को जमानत दिए जाने के बाद मृतक सागर धनखड़ के पिता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करते हुए जमानत रद्द करने की मांग की थी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने यह फैसला लिया। सागर धनखड़ के पिता का दावा है कि आरोपी सुशील कुमार की तरफ से पहले भी गवाहों पर दबाव बनाया गया था और अब फिर से उनके परिवार पर समझौते का दबाव डाला जा रहा है। मृतक सागर धनखड़ के पिता अशोक धनखड़ की वकील जोशिनी तुली ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने सुशील को दिल्ली उच्च न्यायालय से मिली जमानत रद्द कर दी है। उन्हें एक सप्ताह का समय आत्मसमर्पण के लिए दिया गया है।

## आजादी के बाद का सबसे बड़ा खेल सुधार- खेल मंत्री:स्पोर्ट्स बिल लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी पास

**नई दिल्ली, ऐजंसी।** मंगलवार को नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल और नेशनल एंटी-डोपिंग संशोधन बिल, 2025 लोकसभा के बाद

# भारतीय ए महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली जीत दर्ज की

**ब्रिसबेन, ऐजंसी।** भारतीय ए महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी पहली जीत दर्ज की है। उसने बुधवार को इयान हीली ओवल में खेले गए पहले वनडे मैच में ताहलिया मैकग्राथ की ऑस्ट्रेलिया ए की टीम को तीन विकेट से हरा दिया।

यह जीत भारत ए के लिए खास रही, क्योंकि इससे पहले टीम तीनों टी20 मैच हार चुकी थी। 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए ने 42 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर लिया। यास्तिका भाटिया ने 59 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि शैफाली वर्मा (36) और धारा गुज्जर (31) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। राघवी बिष्ट 25 रन बनाकर नाबाद रहीं और मध्य ओवरों में ऑस्ट्रेलिया ए के वापसी के प्रयास को नाकाम करते हुए भारत को जीत दिलाई। भारत की अंडर-20 महिला टीम ने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए, वे ग्रुप डी क्वालीफिकेशन अभियान में अपराजित रहीं, जहां उन्होंने इंडोनेशिया (0-0) और तुर्कमेनिस्तान (7-0) के साथ खेला, तथा इसके बाद म्यांमार के यांगून के थुवुन्ना स्टेडियम में खचाखच भरे दर्शकों के सामने मेजबान म्यांमार (1-0) को हराया, इस अभियान में उन्होंने एक भी गोल नहीं खाया।क्योंकि मैंने बहुत थकी हुई स्थिति में खेला था। मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। अच्छी मानसिकता रखना बहुत जरूरी है। भले ही आप थके हुए हों, ले किन दिमाग सही जगह पर है, तो आप अच्छा कर सकते हैं।÷ अन्नू ने यह भी बताया कि पोलैंड में ठंड ज़्यादा थी और भारत में गर्मी, इसलिए तकनीक पर भी उसी के अनुसार काम करना होगा।

हालाँकि, मैदान पर मिले नतीजे पिछले कुछ वर्षों में लगातार योजना और विकासात्मक प्रयासों के साथ-साथ पर्दे के पीछे की गई कड़ी मेहनत का सीधा नतीजा हैं। बिना किसी शॉर्टकट के, एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए भारत का क्वालीफाई करना दीर्घकालिक दृष्टिकोण और जमीनी स्तर पर की गई सुव्यवस्थित तैयारी का प्रत्यक्ष परिणाम था। एआईएफएफ ने भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के सहयोग से महिला फुटबॉल में जमीनी स्तर और युवा ढांचे को मजबूत करने के लिए कई पहल की हैं। ऐसी ही एक पहल है अस्मिता महिला लीग, जिसके तहत 2023 से 2025 तक देश भर में अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-17 स्तर पर 155 लीगों का सफल आयोजन हुआ। 2023-24 के संस्करण में 6,305 जूनियर खिलाड़ियों ने भाग लिया, जो 2024-25 में बढ़कर 8,658 हो गया।इससे पहले भारत ए की कप्तान राधा यादव ने तीन विकेट लिए, जबकि तितास साधु और मिन्नू मणि ने दो-दो विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम 214 रनों पर ढेर हो गई। अनिका लियरोयड 92 रन बनाकर नाबाद रहीं, लेकिन उनके साथी रन बनाने में नाकाम रहे। रेचल ट्रेनमैन (51) ने मुख्य सहयोग दिया, लेकिन वह रन आउट हो गईं। दोनों टीमें अब 15 और 17 अगस्त को इसी मैदान पर दो और वनडे मैच खेलेंगी। इसके बाद 21 अगस्त से एलन बॉर्डर फील्ड में एक अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट मैच होगा।

## एलएसजी के मेंटर जहीर खान टीम से अलग होंगे:2023 में टीम से जुड़े थे

IPL टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के मेंटर जहीर खान 2026 सीजन से पहले टीम से अलग हो सकते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, स्त्र जहीर खान से अलग होने जा रही है और नए मेंटर को आरपी- संजीव गोयनका (RPSG) ग्रुप की दूसरी फ्रेंचाइजीज की निगरानी का बड़ा रोल दिया जाएगा।

**संजीव ग्रुप के लिए डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट बनाएंगे :** LSG के मालिक संजीव गोयनका, जो इस समय इंग्लैंड में द हंड्रेड लीग के लिए मौजूद हैं, जल्द ही एक डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की घोषणा करेंगे। यह व्यक्ति स्त्र की दूसरी फ्रेंचाइजीज साउथ अफ्रीका (SA20) लीग की डरबन सुपर जायंट्स और द हंड्रेड की मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के सालभर के विकास पर नजर रखेगा।

**IPL 2023 के बाद जहीर लखनऊ से जुड़े :** जहीर खान ने IPL 2023 के बाद पद छोड़ने वाले गौतम गंभीर की जगह मेंटर की भूमिका संभाली थी। इसके साथ ही वे मोर्ने मोर्कल के जाने के बाद बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। मोर्कल ने भारत की मेंस क्रिकेट टीम और गंभीर के साथ काम करने के लिए पद छोड़ा था।

2018 से 2022 तक जहीर मुंबई इंडियंस (MI) से जुड़े रहे थे। पहले वे डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट थे, फिर ग्लोबल डेवलपमेंट हेड की भूमिका में आए।

**LSG ने भरत अरुण को नया बॉलिंग कोच बनाया :** 14 दिन पहले स्त्र ने भरत अरुण को नया बॉलिंग कोच बनाया। सूत्र के मुताबिक, अरुण का रोल भी बड़ा है, उन्हें डरबन सुपर जायंट्स और अगले साल से मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के लिए युवा तेज गेंदबाजों को खोजने और तैयार करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

## इतालवी स्टार गोलकीपर डोनारुम्मा ने पीएसजी से नाता तोड़ा, सुपर कप मैच से बाहर किए जाने से हैं नाराज

**नई दिल्ली, ऐजंसी।** स्टार गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा ने बुधवार को टॉटेनहम के खिलाफ होने वाले यूईएफए सुपर कप फाइनल के लिए पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की टीम से बाहर किए जाने के कुछ ही घंटों बाद एक संदेश पोस्ट कर कहा कि वह क्लब छोड़ रहे हैं। नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 से हुई थी। लेकिन हर बार राजनीतिक कारणों के चलते यह बिल कभी संसद नहीं जा पाया था।इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, भारत में पंजीकृत महिला फुटबॉलरों की संख्या में पिछले एक साल में 232त्न की वृद्धि हुई है। अंडर-20 महिलाएँ दिसंबर 2024 से शिविर में हैं और तुर्किये में पिंक लेडीज़ यूथ कप में हांगकांग और जॉर्डन जैसी टीमों को हराकर खेल चुकी हैं। एएफसी अंडर-20 महिला एशियन कप क्वालीफायर से पहले, कई अंडर-20 खिलाड़ियों ने सीनियर टीम के साथ प्रशिक्षण लिया, इससे पहले कि यंग टाइग्रेसेस ने ताशकंद में उज्बेकिस्तान अंडर-20 टीम के साथ दो मैत्री मैच खेले (1-1 और 4-1)। कुल मिलाकर, भारत की अंडर-20 महिला टीम ने दिसंबर 2024 से 135 दिनों तक तैयारी शिविर में एक साथ प्रशिक्षण लिया। भविष्य को देखते हुए, एआईएफएफ अप्रैल 2026 में थाईलैंड में आयोजित होने वाले एएफसी यू 20 महिला एशियाई कप 2026 के लिए सर्वोत्तम संभव तैयारी सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। महासंघ विस्तारित प्रशिक्षण शिविरों की सुविधा और टीम के लिए उच्च गुणवत्ता वाले अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन को सुरक्षित करने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगा।

महासंघ का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के माध्यम से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाना है, बल्कि उन्हें एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के लिए भी तैयार करना है। एआईएफएफ द्वारा तैयारी के लिए अच्छे प्रतिद्वंद्वियों की व्यवस्था करने के अवसरों पर भी विचार किया जा रहा है।

## एथलेटिक्स: गुलवीर सिंह ने हंगरी में 3000 मीटर में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार

**नई दिल्ली, ऐजंसी।** भारतीय मिडिल और लॉन्ग डिस्टेंस धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित हंगेरियन एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों की 3000 मीटर स्पर्धा में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया।

गुलवीर ने 7 मिनट 34.49 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर फिनिश किया। केन्या के मैथ्यू किपसांग ने 7 मिनट 33.23 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान हासिल किया। गुलवीर का इस इवेंट में पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7 मिनट 38.26 सेकंड था, जो उन्होंने फरवरी 2025 में बोस्टन यूनिवर्सिटी डेविड हेमरी वेलेंटाइन इनविटेशनल में बनाया था। 27 वर्षीय गुलवीर 5000 मीटर और 10,000 मीटर में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। हाल ही में उन्होंने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इन दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते थे।

गुलवीर ने 5000 मीटर में 13 मिनट 01.00 सेकंड के प्रवेश मानक से बेहतर प्रदर्शन कर आगामी विश्व चैंपियनशिप (टोक्यो) के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने फरवरी में बोस्टन यूनिवर्सिटी ट्रैक एंड टेनिस सेंटर में 12 मिनट 59.77 सेकंड का समय निकाला था।

## श्वष्ठ ने पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से पूछताछ की:एजेंसी ने एक दिन पहले भेजा था नोटिस, सट्टेबाजी एप के प्रचार का मामला

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना सट्टेबाजी एप केस में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ED) के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए। रैना दिल्ली स्थित श्वष्ठ मुख्यालय में पूछताछ के लिए पहुंचे। रैना को एक ऑनलाइन सट्टेबाजी एप के प्रचार के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। वह इस एप के ब्रांड एंबेसडर हैं। सुरेश रैना ने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

**कई सेलिब्रेटी जांच के दायरे में:** रैना अकेले सेलिब्रेटी नहीं हैं, जिनसे इस तरह के मामले में पूछताछ की जा रही है। उनके अलावा कई और क्रिकेटर और बॉलीवुड हस्तियां जांच के दायरे में हैं। ईडी इस बैटिंग एप की मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच कर रही है।पीएसजी ने मंगलवार को जब मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा की तो हाल में टीम से जुड़ने वाले गोलकीपर लुकास शेवेलियर को बैकअप गोलकीपर मतवेई सफोनोव और रेनाटो मारिन के साथ टीम में शामिल किया गया था। शेवेलियर का पीएसजी से जुड़ना डोनारुम्मा की विदाई का संकेत माना जा रहा था। इटली के रहने वाले डोनारुम्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इतालवी, अंग्रेजी और फ्रेंच में एक संदेश पोस्ट किया जिसमें कहा गया है कि उन्हें प्रभावी रूप से बाहर कर दिया गया है।

उन्होंने लिखा, %दुर्भाग्यवश, किसी ने यह निर्णय लिया है कि मैं अब टीम का हिस्सा नहीं रह सकता और टीम की सफलता में योगदान नहीं दे सकता। मैं निराश और हताश हूं। मुझे उम्मीद थी कि मुझे पार्क डेस प्रिंसेस में मौजूद प्रशंसकों से अलविदा कहने का मौका मिलेगा जैसा होना चाहिए। आप सभी ने मुझे यहां घर जैसा एहसास दिलाया और मैं इन यादों को ताउम्र संजोकर रखूंगा।मिडिया से बात करते हुए अजहर ने कहा, ÷वह दुनिया के नंबर एक विकेटकीपर हैं। ऐसा विकेटकीपर कभी पैदा नहीं हुआ। उनके लिए चार स्पिनरों के साथ विकेटकीपिंग करना आसान नहीं था। उन्होंने 1983 के विश्व कप में कई अच्छे कैच लपके थे।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷यहां तक कि जिस मैच में कपिल (देव) ने ज़िम्बाब्वे के खलिाफ़ 175 रन बनाए थे, उसमें भी उन्होंने महत्वपूर्ण 24 रन बनाए थे। मुझे आज इस कार्यक्रम में आकर बहुत खुशी हो रही है। ईश्वर उन्हें लंबी उम्र दे। लोगों को भी यह किताब पढ़नी चाहिए और इसका आनंद लेना चाहिए, और मुझे उम्मीद है कि यह सफल होगी।÷

**रैना के इंटरनेशनल क्रिकेट में आठ हजार से ज्यादा रन :** सुरेश रैना ने इंटरनेशनल करियर में तीनों फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी-20 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। रैना ने 2005 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। वह ICC टी-20 वर्ल्ड कप 2007 की विजेता टीम और ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 की विजेता भारतीय टीम के अहम सदस्य थे।

अपने करियर में उन्होंने 226 वनडे, 78 टी-20 और 18 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने कुल मिलाकर 8,000 से ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाए। अगस्त 2020 में उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

# व्यापारियों से 78 हजार लूटने वाले बदमाश गिरफ्तार

## कार से टक्कर मार छीने थे 1.90 लाख, सीसीटीवी और साइबर टीम की मदद से खुला राज

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मझगवां पुलिस ने व्यापारियों से लूट के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सिर्फ 24 घंटे में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सीसीटीवी और साइबर टीम की मदद से आरोपियों का पर्दाफाश किया। आरोपियों के पास से चोरी पुलिस ने एक कट्टा और जिंदा कारतूस भी बरामद किए।

**क्या है पूरा मामला:** घटना 11 अगस्त की है। वाशिंग पाउडर कंपनी के मुनीम राजा शीतलानी अपने बड़े भाई विक्की के साथ मझगवां और पिंडरा में सामान बिक्री का पैसा वसूलने गए थे। दोपहर करीब 2:30 बजे दोनों पपरचुआ मोड़ के पास पहुंचे। तभी एक बिना नंबर की कार ने उनकी बाइक को टक्कर मारी दी। कार की टक्कर से उनकी बाइक गिर गई, जैसे ही वे गिरे, कार से उतरे एक युवक ने 1.90 लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गया। इसके बाद व्यापारी ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई

**पांच आरोपी सीसीटीवी में नजर आए:** पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और साइबर टीम की मदद से आरोपियों की पहचान कर ली। पुलिस को आरोपी गिरफ्तार आरोपियों में विष्णुकांत द्विवेदी, व्यास विश्वास, आयुष गुप्ता, आदर्श पासवान और यूपी के फतेहपुर निवासी अमित यादव शामिल हैं।

**आरोपियों के पास से 315 बोर कट्टा और चोरी का सामान बरामद:** पुलिस ने उनके पास से वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की कार, एक दूसरी कार, एक बाइक, 315 बोर का कट्टा, एक जिंदा कारतूस और 78 हजार रुपये नकद बरामद किए। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

## पति-ससुर को उम्रकैद, दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या के मामले में कोर्ट ने मंगलवार को पति और ससुर को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोनों पर 3-3 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। मामले में 4 अन्य आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, 5 फरवरी 2022 को साक्षी की शादी शक्ति श्रीवास्तव से हुई थी। शादी के बाद से ही पति और ससुर शरद श्रीवास्तव दहेज की मांग को लेकर साक्षी को प्रताड़ित करते थे। आरोपियों ने पहले साक्षी के पिता से 3 लाख रुपए वसूले। इसके बाद कार की मांग को लेकर उसे परेशान करने लगे। 7 जून 2022 को साक्षी की तबीयत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। कोलगवां थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

## गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुआ देहदान, मोतीराम आश्रम द्वारा हुआ 11वा देहदान

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** इतिहास में पहली बार 13 अगस्त बुधवार को पिथौराबाद निवासी 89 वर्षीय बाल्मीक सिंह जी की पार्थिक देह को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ मेडिकल कॉलेज को सौंपी गई, उल्लेखनीय है संत मोतीराम आश्रम के महंत स्वामी खिम्यादास जी द्वारा जगाई देहदान की अलख ज्योति से प्रेरित होकर वाल्मीक सिंह जी ने अपनी मृत्यु के बाद मानवता के लिए देहदान का संकल्प लिया था बाल्मीक सिंह जी का 12 अगस्त को निधन हो गया था निधन के पश्चात उनके पुत्र कमलेश सिंह, इंद्रपाल सिंह संतोष सिंह खिल्लु सिंह व भरत सिंह ने पूज्य पिता द्वारा लिए गए संकल्प को पूरा कराते हुए उनका अंतिम संस्कार ना करके पार्थिक देह को सतना मेडिकल कॉलेज को सौंप दिया ताकि मेडिकल के विद्यार्थी अध्ययन कर सकें

इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन की ऐतिहासिक पहल पर देहदानी के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया, आश्रम के सेवादारी अतुल दुबे ने जानकारी देते हुए बताया इसके पूर्व आश्रम द्वारा 10 देह मेडिकल कॉलेज को सोपी जा चुकी है एवं अभी तक 115 लोगों ने मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया हैं ।सतना मेडिकल कॉलेज में अभी तक 150 देहदान के संकल्प भरे गए है 11 देहदान हो चुके है।

आश्रम के सेवादारी विनोद गेलानी ने बताया वाल्मीक जी ने देहदान का फैसला लेते हुए कहा था कि शरीर मृत्यु और दाह संस्कार के बाद केवल राख का ढेर रह जाता है यदि मानव कल्याण में हमारे अंग या देह किसी के काम आए तो इससे बढ़कर सौभाग्य की बात और क्या हो सकती है, इस अवसर पर भाई प्रहलाद जी अतुल दुबे गोपीचंद कापड़ी मेडिकल कॉलेज से डॉ. अंकित जैन डॉ्पंकज चौरसिया जी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

## युवती से 2 बार किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** पुलिस ने एक युवती से दुष्कर्म और ब्लैकमेल करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अंशुमन उर्फ तरुण पाठक (25) रीवा जिले के डभौरा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पीड़िता ने 3 जुलाई को अपनी मां के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि मोबाइल पर बातचीत के बाद 15 जून को आरोपी उसके किराए के मकान पर आया। घर में अकेली पाकर उसने दुष्कर्म किया और फोटो खींच ली।

**धमकी देकर बार-बार मिलने का दबाव बनाने लगा बदमाश:** आरोपी इसके बाद फोटो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार मिलने का दबाव बनाने लगा। 28 जून को उसने पीड़िता को डभौरा रेलवे स्टेशन बुलाया। वहां से जंगल में ले जाकर दोबारा दुष्कर्म किया। पीड़िता किसी तरह घर लौटी और मां को घटना बताई।

**गिरफ्तारी से बचने के ठिकाना बदल रहा था आरोपी:** टीआई रावेंद्र द्विवेदी के अनुसार आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। पुलिस ने मंगलवार को उसे दोंदर गांव से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

## जिला कसौधन वैश्य समाज सतना का त्रैवार्षिक अधिवेशन 15 अगस्त को मिलन मैरिज गार्डन में होगा

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिला कसौधन वैश्य समाज सतना का त्रैवार्षिक अधिवेशन दिनांक 15 अगस्त 25 को मिलन मैरिज गार्डन सज्जनपुर में दोपहर 1 बजे से होना सुनिश्चित हुआ है। समारोह के अवसर पर जिले के संरक्षक होंगे अतिथि जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता।

जिला सचिव डॉ संतोष गुप्ता प्रस्तुत करेंगे प्रतिवेदन: जिले के सक्रिय मंडलों को स्मृति चिन्ह जिला संयोजक ऋषिकेश गुप्ता द्वारा भेंट किया जाएगा। कोषाध्यक्ष विनय गुप्ता मझगवा द्वारा आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। जिला कसौधन समाज ने अपने तीन वर्षीय कार्यकाल में प्रत्येक वर्ष शिक्षक सम्मान समारोह, इच्छा नवमी पर परिवार मिलन समारोह, प्रतिभा सम्मान समारोह, वरिष्ठ समाजसेवी सम्मान समारोह, कश्यप जयंती कार्यक्रम, दिवंगत समाजसेवियों का पुण्यतिथि कार्यक्रम, गांधी जयंती कार्यक्रम, सामाजिक कुरीतियों रूढ़िवादी परंपराओं, समाज में व्याप्त फिजूल खर्ची, समाज के आपसी वैवाहिक विवादों पर अंकुश लगाने का प्रयास विगत तीन वर्षों में लगातार किए गए।

पूरे जिले में सदस्यता अभियान चलाया गया समाज के अंतिम व्यक्ति को संगठन से जोड़ने का भरपूर प्रयास जिला समिति द्वारा किया गया। 15 अगस्त 25 को वर्तमान समिति के कार्यकाल पूर्ण होने पर नवीन कार्यकारणी का गठन किया जावेगा। उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु केशरी गुप्ता, डॉ सुशील गुप्ता, डॉक्टर सन्तोष गुप्ता, ऋषिकेश गुप्ता कामता गुप्ता, ज्ञानचंद गुप्ता, विनय गुप्ता मझगवा, अशोक गुप्ता, गंगादीन गुप्ता, हरिशंकर गुप्ता, चंद्रभान कश्यप, निधिगोपाल गुप्ता, रामचंद्र गुप्ता,प्रकाश गुप्ता, रबी गुप्ता, मनोज गुप्ता कोठी, द्वारिका गुप्ता, राकेश गुप्ता विजय गुप्ता, कमलेश गुप्ता उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता गुप्ता ने जिले के पदाधिकारियों सभी मंडलों सामाजिक बंधुओ से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित अधिवेशन के कार्यक्रम पर समय से उपस्थित होने की अपील की है।

## कलेक्टर ने अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के दिए निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पूरे उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह एसएएफ मैदान में सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग एसएएफ मैदान में परेड तथा अन्य कार्यक्रमों के लिए मैदान को समतल करके पूरी तरह से तैयार कर दें। बारिश को देखते हुए जीरो साइज की गिट्टी से गड्ढों में भराव करके लकड़ी के बुरादे का ट्रैक में छिड़काव की व्यवस्था रखें जिससे परेड में किसी तरह की कठिनाई न हो।

कलेक्टर ने कहा है कि सहायक आयुक्त नगर निगम रीवा मुख्य कार्यक्रम स्थल तथा शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। एसएएफ मैदान में मुख्य समारोह के लिए अतिथियों के बैठने के लिए 2500 कुर्सियों, सोफे एवं वाटरप्रूफ पंडाल की व्यवस्था करें। जिस मंच से ध्वजारोहण किया जाना है वहाँ वर्षा से बचाव की समुचित व्यवस्था करें। फाइनल रिहर्सल तथा मुख्य समारोह में साउंड की समुचित व्यवस्था रखें। अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल समारोह के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति तथा पावर बैकअप के रूप में जनरेटर की व्यवस्था करें। सहायक संचालक उद्यानिकी मंच की साज-सज्जा के लिए गमले तथा फूलों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। समारोह में हर घर तिरंगा अभियान तथा स्वाधीनता दिवस की थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे। जिला शिक्षा अधिकारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था करें। सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल गीत और नृत्य स्वतंत्रता दिवस की गरिमा के अनुकूल रहे।

## ग्रामोदय विश्वविद्यालय में हुई तिरंगा राखी प्रतियोगिता

### कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा द्वारा निर्दिष्ट थीम पर हुआ तिरंगा राखी का क्रिएशन

**मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)।** उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश के निर्देश पर आज महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में तिरंगा राखी प्रतियोगिता का आयोजन ललित कला विभाग के तत्वाधान में हुआ। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश भोपाल ने संपन्न इस प्रतियोगिता को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स में पोस्ट किया है।

स्वतंत्रता पर्व को दृष्टिगत रखते हुए संपन्न इस प्रतियोगिता में 30 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा द्वारा निर्दिष्ट थीम पर आधारित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने तिरंगा राखी का त्वरित सृजन कर मूल्यांकन मंडल को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ राकेश कुमार मौर्य ने बताया कि 6 विद्यार्थियों के राखी क्रिएशन को मूल्यांकन में शामिल किया गया। विभागाध्यक्ष ललित कला डॉ प्रसन्न पाटकर की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय चयन समिति में डॉ अभय कुमार वर्मा, नरेंद शुक्ला और शिवकुमार सेन रहे।

## ग्राम पंचायतों में 15 से 20 अगस्त तक होगा विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** रीवा और मऊगंज जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 15 अगस्त से 20 अगस्त के मध्य विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि ग्राम सभाओं के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। ग्रामवार ग्राम सभाओं के आयोजन की तिथिवार तथा ग्राम पंचायतवार कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इन विशेष ग्राम सभाओं में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की सूची का वाचन किया जाएगा। सूची के वाचन के बाद यदि कोई हितग्राही अपात्र पाया जाता है तो उसका नाम सूची से पृथक करने की कार्यवाही की जाएगी। ग्राम सभा में नशामुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी। ग्राम सभा में शिशुओं तथा गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं टीकाकरण ग्राम स्वास्थ्य योजना, सिकल सेल एनीमिया की जाँच एवं गांव को क्षयमुक्त बनाने के संबंध में प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। ग्राम सभा में खाद्य सुरक्षा योजना की सोशल आडिट पर चर्चा मनरेगा योजना के तहत वृक्षारोपण, हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने, दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास तथा हितग्राही मूलक योजनाओं के हितलाभ प्राप्त करने वालों का सत्यापन किया जाएगा। ग्राम सभा में सरपंच संवाद ऐप पर चर्चा की जाएगी। ग्राम सभा में निराश्रित पशुओं के प्रबंधन, प्रधानमंत्री कुसुम योजना तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर भी चर्चा की जाएगी। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नोडल अधिकारी शासन के निर्देशों के अनुरूप ग्राम सभाओं का आयोजन कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

## न प्लास्टिक, न प्रदूषण थीम पर नौढ़िया में निकाली गई रैली

**मऊगंज।** हर घर तिरंगा अभियान के तहत मऊगंज जिले के नौढ़िया ग्राम पंचायत में न प्लास्टिक न प्रदूषण थीम पर रैली निकालकर ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। जिले के शासकीय संस्थाओं, आंगनवाड़ी केन्द्रों, शैक्षणिक संस्थाओं सहित ग्राम पंचायतों मेमं तिरंगा रैली निकालकर लोगों को राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही विभिन्न ग्रामों व संस्थाओं, कार्यालयों में साफ-सफाई की गई।

## ग्राम पंचायतों में 15 से 20 अगस्त तक होगा विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** रीवा और मऊगंज जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 15 अगस्त से 20 अगस्त के मध्य विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि ग्राम सभाओं के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। ग्रामवार ग्राम सभाओं के आयोजन की तिथिवार तथा ग्राम पंचायतवार कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इन विशेष ग्राम सभाओं में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की सूची का वाचन किया जाएगा। सूची के वाचन के बाद यदि कोई हितग्राही अपात्र पाया जाता है तो उसका नाम सूची से पृथक करने की कार्यवाही की जाएगी। ग्राम सभा में नशामुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी। ग्राम सभा में शिशुओं तथा गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं टीकाकरण ग्राम स्वास्थ्य योजना, सिकल सेल एनीमिया की जाँच एवं गांव को क्षयमुक्त बनाने के संबंध में प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। ग्राम सभा में खाद्य सुरक्षा योजना की सोशल आडिट पर चर्चा मनरेगा योजना के तहत वृक्षारोपण, हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने, दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास तथा हितग्राही मूलक योजनाओं के हितलाभ प्राप्त करने वालों का सत्यापन किया जाएगा। ग्राम सभा में सरपंच संवाद ऐप पर चर्चा की जाएगी। ग्राम सभा में निराश्रित पशुओं के प्रबंधन, प्रधानमंत्री कुसुम योजना तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर भी चर्चा की जाएगी। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नोडल अधिकारी शासन के निर्देशों के अनुरूप ग्राम सभाओं का आयोजन कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

### पुरवा जलप्रपात में गूंजे देशभक्ति के नारे - कमिश्नर तथा अधिकारियों ने की साफ-सफाई

# हर घर तिरंगा अभियान में रीवा से पुरवा तक निकाली गई तिरंगा कार रैली

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** रीवा संभाग के सभी जिलों में हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है। शासन के निर्देशों के अनुरूप रीवा जिले के विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पुरवा जलप्रपात में हर घर तिरंगा अभियान के तहत साफ-सफाई की गई। देशभक्ति के नारों के साथ परिसर में तिरंगा रैली निकाली गई। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक घंटे तक स्वच्छता के लिए स्वेच्छा से श्रमदान किया। जलप्रपात परिसर से भारी मात्रा में कचरा एकत्रित करके उसे कचरा गाड़ी के माध्यम से सुरक्षित निपटान के लिए भेजा गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला पर्यटन विकास समिति तथा ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया गया। इसके पूर्व रीवा से कमिश्नर जामोद के नेतृत्व में संभागीय अधिकारियों ने तिरंगा कार रैली में शामिल होकर रीवा से पुरवा जलप्रपात पहुंचे।

इस अवसर पर कमिश्नर जामोद ने कहा कि देश को अमर शहीदों के बलिदान और कठिन संघर्ष के बाद आजादी मिली। हजारों वीरों ने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों का बलिदान किया। हम सबको इस आजादी का मोल समझना चाहिए। पूरे गौरव और उल्लास के साथ देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाएं। साथ ही वीरों को नमन करने एवं देशभक्ति की भावना को बलवती करने के लिए प्रत्येक नागरिक अपने घरों में 16 अगस्त तक शान से तिरंगा फहराए। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है।

कमिश्नर ने कहा कि देश को विकसित और समृद्ध बनाने के लिए सभी नागरिकों का स्वस्थ रहना आवश्यक है। हमारे घर और परिवेश स्वच्छ रहेंगे तभी हम स्वस्थ रहेंगे। पुरवा जलप्रपात जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में अच्छी साफ-सफाई इनके सौंदर्य को दुगना कर देती है। इन स्थानों को साफ-सुथरा रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। पर्यटन स्थलों में हम किसी भी तरह की गंदगी न फैलाएं। कचरे तथा प्लास्टिक को कचरा पेटी में ही डालें। परिवेश स्वच्छ रहने पर ही मन प्रसन्न रहता है। कमिश्नर ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। परिसर में निकाली गई तिरंगा रैली में वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे गूंजते रहे। रैली में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम सिरमौर पीके पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, डिप्टी कमिश्नर श्रेयस गोखले तथा बड़ी संख्या में संभागीय अधिकारी, जिला अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।